सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 199, नई दिल्ली । शनिवार, 28 सितम्बर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

यह मत मानिए कि जीत ही सब कुछ है, महत्वपूर्ण यह है कि आप किस उद्देश्य के लिए जीतना चाहते हैं...

03 पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर परिचर्चा का आयोजन
06 पुलिस, कानून प्रवर्तन और जांच सेवाओं में कैरियर के अवसर
08 हड़ताल से 30 जिला अस्पतालों में मरीजों की देखभाल बाधित

संपादक के नाम पत्र

सड़क हादसों पर लगाए लगाम, बचाए बेकसूरों के प्राण

इंदौर में शराब के नशे में धुत्त बीएमडब्ल्यू कार चालक ने गलत दिशा में तेज गति से कार चलाते हुए स्कूटी सवार दो युवतियों की जान ले ली। इंदौर में सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। किसी की जानबूझकर की गई लापरवाही का खामियाजा बेकसूर लोगों को अपनी जान देकर चुकाना पड़ा। हर साल सड़क हादसों में हज़ारों लोग घायल होते हैं और सैकड़ो की जान चली जाती है। प्रशासन द्वारा हादसों में कमी लाने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन सड़क सुरक्षा अभी भी एक प्रमुख चिंता है। 2022 में, भारत में तेज रफ्तार को सड़क दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण बताया गया, जो सभी घातक दुर्घटनाओं का 60% से अधिक था। इंदौर भी तेज रफ़्तार दुर्घटनाओं का शिकार होता रहा है। इंदौर में भी सड़क सुरक्षा की दिशा में सुधार की ज़रूरत है, ताकि दुर्घटनाओं और मृत्यु दर को कम किया जा सके।

सवाल उठता है कि सड़क दुर्घटनाओं से मौत का जिम्मेदार क्या एकमात्र वह चालक ही है। जवाब होगा- 'नहीं'। अगर वह व्यक्ति शराब सेवन नहीं करता, अपने पूरे होशोहवास में होता , तो क्या यह दुर्घटना होती? अधिकांश अपराधों; जिसमें दुष्कर्म और हत्या भी शामिल है; की मूल वजह शराब ही है।

शराब की दुकानें भी इस हत्या की बराबर जिम्मेदार है, क्या स्थानीय प्रशासन शराब के सेवन को सही ठहरा सकता है? जागों नागरिकों कही कल कोई और शराब पीकर आपको भी उड़ा सकता है। यदि वाकई संवेदनाएं जीवित है तो तत्काल सभी शराब दुकानों पर ताले लगा दिए जाए, ताकि फिर कभी कोई दुर्घटना न घटे। यदि ऐसा होता है तो यकीन मानो ज्यादातर अपराधों में कमी आ जाएगी।

भारत में सड़क हादसे एक गंभीर समस्या बनते जा रहे हैं। हर साल हजारों लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवाते हैं या घायल होते हैं। सड़क हादसों के कारण न केवल व्यक्ति विशेष का नुकसान होता है, बल्कि इसका समाज और अर्थव्यवस्था पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है। इस लेख में हम वर्षवार तुलनात्मक अध्ययन करेंगे, सड़क हादसों के खतरों को समझेंगे, उनके कारणों की चर्चा करेंगे और इनसे बचने के उपायों पर विचार करेंगे।

पिछले कुछ वर्षों में सड़क हादसों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी गई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) और परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार:

वर्ष 2015: इस वर्ष में लगभग 1.46 लाख सड़क दुर्घटनाओं में 1.39 लाख से अधिक लोग घायल हुए और 1.41 लाख लोगों की मृत्यु हुई।

वर्ष 2016: 2015 की तुलना में सड़क हादसों में 4.6% की वृद्धि हुई। मृतकों की संख्या बढ़कर 1.50 लाख तक पहुंच गई।

वर्ष 2017: 2016 की तुलना में दुर्घटनाओं की संख्या में थोड़ी कमी आई, लेकिन मृतकों की संख्या में मामूली वृद्धि दर्ज की गई।

वर्ष 2018: इस वर्ष में सड़क हादसों की संख्या में 0.6% की कमी दर्ज की गई, लेकिन हादसों में मौत का प्रतिशत बढ़ गया।

वर्ष 2019: सड़क दुर्घटनाओं की कुल संख्या 4.37 लाख थी, जिसमें 1.54 लाख लोग मारे गए।

वर्ष 2020: महामारी के चलते लॉकडाउन के कारण सड़कों पर कम गाड़ियाँ चलीं, जिससे दुर्घटनाओं में थोड़ी गिरावट आई। लेकिन, इस वर्ष में भी हादसों में 1.31 लाख लोगों की मौत हुई।

वर्ष 2021: जैसे ही लॉकडाउन हटा, दुर्घटनाओं की संख्या फिर बढ़ गई। इस वर्ष में भी 1.55 लाख लोगों की मृत्यु हो गई।

सड़क हादसों के खतरनाक परिणाम:

1. मानव जीवन की हानि: हर साल हजारों लोगों की जान चली जाती है। उस व्यक्ति पर निर्भर परिजन और परिवार आर्थिक/मानसिक रूप से टूट जाता है, जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती।

2. आर्थिक नुकसान: दुर्घटनाओं के कारण पीड़ित परिवारों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।

3. शारीरिक विकलांगता: हादसों के शिकार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल होकर जीवनभर के लिए विकलांग हो सकते हैं।

4. मानसिक और सामाजिक प्रभाव: हादसे पीड़ितों और उनके परिवारों पर गहरा मानसिक और सामाजिक प्रभाव डालते हैं।

सड़क हादसों के प्रमुख कारण:

1. अधिक गति: तेज गति से गाड़ी चलाना

सड़क हादसों का सबसे प्रमुख कारण है। नियंत्रित गति से अधिक चलने के कारण गाड़ी चालक अपना नियंत्रण खो बैठता है।

2. मदिरापान के बाद गाड़ी चलाना: शराब पीकर गाड़ी चलाना कई हादसों का कारण बनता है। शराब पीने से मानसिक संतुलन और प्रतिक्रिया क्षमता कम हो जाती है, जिससे हादसों की संभावना बढ़ जाती है।

3. मोबाइल का उपयोग: चलते समय मोबाइल का उपयोग भी दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण है। यह ध्यान भटकने का प्रमुख कारण होता है।

4. अत्यधिक थकान: कई बार वाहन चालक थकावट या नींद के कारण सही ढंग से गाड़ी नहीं चला पाते, जिससे हादसे होते हैं।

5. गलत ओवरटेकिंग: ओवरटेकिंग करते समय सावधानी न बरतना या गलत दिशा में ओवरटेक करना भी दुर्घटनाओं का कारण बनता है।

6. अयोग्य सड़कें: सड़कों की खराब स्थिति, टूटे गड्ढे और पर्याप्त संकेतों की कमी भी हादसों को जन्म देते हैं।

7. यातायात नियमों की अनदेखी: सड़क पर सुरक्षा नियमों का पालन न करना, जैसे हेलमेट न पहनना, सीट बेल्ट न लगाना, लाल बत्ती का उल्लंघन करना आदि भी हादसों का कारण बनते हैं।

सड़क हादसों से बचने के उपाय-

1. गति नियंत्रण: निर्धारित गति सीमा में गाड़ी चलाना अनिवार्य होना चाहिए।

2. मदिरा सेवन से बचाव: शराब पीकर गाड़ी न चलाने का नियम कड़ाई से लागू करना चाहिए और ऐसे मामलों में कठोर दंड का प्रावधान होना चाहिए।

3. यातायात नियमों का पालन: हेलमेट और सीट बेल्ट जैसे सुरक्षा उपायों का पालन करना चाहिए। लाल बत्ती पर रुकने और ओवरटेक करते समय सावधानी बरतनी चाहिए।

4. सड़क की गुणवत्ता में सुधार: सड़कों को ठीक करने और बेहतर बनाने के लिए सरकारी स्तर पर कदम उठाने चाहिए।

5. जनजागरूकता: सड़क सुरक्षा से जुड़े अभियानों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। स्कूली शिक्षा में सड़क सुरक्षा पर जागरूकता शामिल की जा सकती है।

6. उन्नत तकनीक का उपयोग: सड़क पर लगे कैमरे, गति मापने वाले उपकरण और अन्य स्मार्ट तकनीक का उपयोग किया जाना चाहिए ताकि ट्रैफिक नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

7. आदत में सुधार: वाहन चालक को पर्याप्त आराम के बाद ही गाड़ी चलानी चाहिए और नींद या थकान की स्थिति में गाड़ी चलाने से बचना चाहिए।

निष्कर्षत: सड़क हादसे हमारे समाज और देश के लिए एक बड़ी चुनौती हैं। इनसे बचने के लिए न केवल सरकार और प्रशासन को बल्कि आम जनता को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। यातायात नियमों का पालन, सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता और तकनीकी सुधार ही हमें सड़क हादसों से बचा सकते हैं। यदि हम सभी मिलकर प्रयास करें, तो इन हादसों की संख्या में निश्चित रूप से कमी आ सकती है, और देश को एक सुरक्षित सड़क तंत्र प्रदान किया जा सकता है।

मोहित सोनी, कुक्षी, मध्यप्रदेश

नोएडा एयरपोर्ट से फिल्म सिटी तक दौड़ेगी एलआरटी, एक ही फेज में होगा निर्माण

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा एयरपोर्ट को नमो भारत रेल से कनेक्टिविटी के लिए निर्माण एक ही फेज में होगा। निर्माण में लगने वाली राशि का 20-20 फीसदी केंद्र व राज्य सरकार देगी। इसके अलावा शेष 60 प्रतिशत एनसीआरटीसी वहन करेगी। इस प्रोजेक्ट के पूरा होने पर जनता को बहुत राहत मिलेगी। पढ़िए आखिर यमुना प्राधिकरण चेयरमैन अनिल सागर ने क्या जानकारी दी है।

ग्रेटर नोएडा। नोएडा एयरपोर्ट को नमो भारत रेल से कनेक्टिविटी के लिए नमो भारत रेल कॉरिडोर का निर्माण दो की जगह एक ही फेज में होगा। निर्माण लागत का 20-20 प्रतिशत केंद्र व राज्य सरकार और शेष 60 प्रतिशत एनसीआरटीसी वहन करेगी।

एनसीआरटीसी के निर्माण लागत वहन न करने की स्थिति में जीडीए, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण व नोएडा इंटरनेशनल कंपनी इस लागत का मिलकर वहन करेंगी। यमुना प्राधिकरण चेयरमैन अनिल सागर की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई 82वीं बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी गई। राज्य सरकार की ओर से नमो भारत रेल परियोजना का प्रस्ताव केंद्र सरकार को मंजूरी के लिए भेजा जा चुका है।

यमुना प्राधिकरण सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि नमो भारत रेल कॉरिडोर पर नोएडा एयरपोर्ट के लिए तेज गति रैपिड रेल का संचालन होगा। शहर की ट्रांसपोर्ट जरूरत को पूरा करने के लिए मेट्रो व नोएडा एयरपोर्ट से फिल्म सिटी तक 14 किमी में एलआरटी का भी संचालन होगा।

वहीं, गाजियाबाद से नोएडा एयरपोर्ट तक करीब 72 किमी लंबा कॉरिडोर एक ही फेज में बनाया जाएगा। एनसीआरटीसी के महाप्रबंधक की ओर से चेयरमैन के सम्मुख परियोजना का प्रस्तुतिकरण भी किया गया।

सीईओ का कहना है कि नोएडा सेक्टर 51 से ग्रेटर नोएडा वेस्ट में नॉलेज पार्क5 तक एक्वा मेट्रो का 10 किमी कॉरिडोर भी इस परियोजना में समाहित हो जाएगा। नोएडा एयरपोर्ट में नमो भारत रेल का भूमिगत ट्रैक होगा। जो एयरपोर्ट के वर्तमान व भविष्य में बनने वाले सभी टर्मिनल को जोड़ेगा।

बोर्ड बैठक में एयरपोर्ट पर बनने वाले जीटीसी में हाई स्पीड रेल, मेट्रो, रेल व एलआरटी की कनेक्टिविटी होगी। एयरपोर्ट साइट पर संबंधित परियोजना को स्वीकृति देने वाली कमेटी में भी बदलाव किया गया है। इसमें अब यमुना प्राधिकरण सीईओ की अध्यक्षता में प्राधिकरण के ही दो सीईओ, ओएसडी, महाप्रबंधक नियोजन होंगे।

पांच साल में हुडको से मिलेंगे 30529 करोड़

यमुना प्राधिकरण ने जमीन अधिग्रहण व परियोजनाओं के निर्माण के लिए राशि का बंदोबस्त कर लिया है। हुडको से अगले पांच साल में 30529 करोड़ रुपये ऋण की सैद्धांतिक सहमति मिल गई है। सीईओ ने बताया कि मेट्रो के लिए 6326 करोड़, एलआरटी के लिए 641, हाई स्पीड रेल के लिए 20637 करोड़, लाजिस्टिक पार्क के लिए 1705 करोड़ व हेरिटेज सिटी के लिए 1220 करोड़ रुपये ऋण लिया जाएगा।

संस्थागत श्रेणी में साक्षात्कार से होगा आवंटन

संस्थागत श्रेणी में अस्पताल, नर्सिंग होम, कारपोरेट के अतिरिक्त सामाजिक कार्यों से संबंधित संस्थाओं को भूखंडों का आवंटन साक्षात्कार से होगा। इसमें स्कूल, प्ले स्कूल, क्रेच, योग, ध्यान केंद्र, सामाजिक संस्थान आदि शामिल हैं।

अपैरल पार्क का नामकरण

यमुना प्राधिकरण के सेक्टर 29 में विकसित होने वाले अपैरल पार्क को एनएसी अपैरल यीडा पार्क के नाम से जाना जाएगा। इसके 13 आवंटियों को 31 दिसंबर तक लीज कराने के लिए बोर्ड ने समय दे दिया है। इन आवंटियों के भूखंड रद होने की तलवार लटकी हुई थी।

तीस प्रतिशत देनी होगी आवंटन राशि

आवासीय को छोड़कर अन्य श्रेणी के लिए भूखंडों का आवंटन किस्तों पर होगा। लेकिन आवंटन राशि और किस्तों की सीमा में बदलाव किया गया है। दस प्रतिशत पंजीकरण राशि के अलावा बीस की बजाए तीस प्रतिशत आवंटन राशि देनी होगी। साठ प्रतिशत राशि दो साल में किस्तों में भुगतान करनी होगी।

दिल्ली मेट्रो में यात्रा करने वाले लाखों लोगों के लिए अच्छी खबर, तीन व्यस्त लाइनों पर यात्रियों को मिलेगी खास सुविधा

दिल्ली मेट्रो के तीनों व्यस्त कॉरिडोर रेड यलो व ब्लू लाइन पर यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए खुशखबरी है। आटोमेटिक फेयर कलेक्शन गेट बढ़ाए जाएंगे। यह फैसला DMRC ने मेट्रो में यात्रियों की दिनोंदिन बढ़ती संख्या को लेकर किया है। एनसीआर में मेट्रो का 393 किलोमीटर नेटवर्क है और इन स्टेशनों पर 3184 एएफसी गेट लगाए गए हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो के तीनों व्यस्त कॉरिडोर रेड, यलो व ब्लू लाइन पर ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन (एएफसी) गेट बढ़ाए जाएंगे। इस वजह से दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने नए एएफसी गेट (AFC Gate) खरीदने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की है।

टेंडर आवंटन के बाद एक वर्ष में चरणबद्ध तरीके से इन तीनों कॉरिडोर के स्टेशनों पर अतिरिक्त एएफसी गेट लगाए जाएंगे। इससे एएफसी गेट आठ प्रतिशत बढ़ जाएंगे। इससे यात्रियों को भीड़ से राहत मिलेगी।

मेट्रो में यात्रियों की संख्या बढ़ी

वर्तमान समय में एनसीआर में मेट्रो का कुल नेटवर्क 393 किलोमीटर है और स्टेशनों पर 3184 एएफसी गेट लगे हैं। इन दिनों मेट्रो में यात्रियों की संख्या बढ़ गई है। इस वजह से पिछले दो माह में मेट्रो में रिकॉर्ड संख्या में यात्रियों ने यात्राएं की है।

डीएमआरसी (DMRC) के अनुसार इस वर्ष अब तक 19 दिन ऐसे रहे हैं जब मेट्रो में पैसेंजर जर्नी 70 लाख से अधिक रही। इसमें से 17 दिन अगस्त और इस माह सितंबर के शामिल हैं। 20 अगस्त को मेट्रो में सबसे अधिक यात्रियों ने यात्राएं की थीं। तब पैसेंजर जर्नी सबसे अधिक 77.49 लाख थी।

दिल्ली मेट्रो की ये तीन लाइन सबसे विजी

यलो लाइन (Yellow Line) (समयपुर बादली-मिलेनियम सिटी सेंटर गुरुग्राम) की मेट्रो में सबसे अधिक यात्री सफर करते हैं। इसके बाद ब्लू लाइन (Blue Line) (द्वारका सेक्टर 21-इलेक्ट्रानिक सिटी/वैशाली) दूसरा व रेड लाइन (Red Line) (रिठाला- न्यू बस अड्डा गाजियाबाद) तीसरा व्यस्त कॉरिडोर है।

यात्रियों की संख्या बढ़ने से कई स्टेशनों के निकास एएफसी गेट के पास भीड़ की समस्या बढ़ गई है। मेट्रो ट्रेन के उतरने के बाद यात्री एएफसी गेट के पास पहुंचते हैं तो उन्हें एएफसी गेट से बाहर निकलने के लिए लाइन में लगना पड़ता है। इसके मद्देनजर अतिरिक्त एएफसी गेट लगाने की पहल की गई है।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

1 अक्टूबर से शुरू होगा सरिता विहार फ्लाईओवर का काम, लाखों लोगों को होगी भारी परेशानी; पढ़ें ट्रैफिक एडवाइजरी

सरिता विहार फ्लाईओवर की मरम्मत का काम 1 अक्टूबर से शुरू होने वाला है। लोक निर्माण विभाग ने इसके लिए यातायात पुलिस से अनुमति मांगी थी। अब पुलिस से एडवाइजरी जारी होने के बाद ही काम शुरू हो सकेगा। इस फ्लाईओवर पर रोजाना लाखों वाहन चलते हैं। खासकर दिल्ली से फरीदाबाद और फरीदाबाद से दिल्ली आने-जाने वाले लोगों को परेशानी होगी।

दक्षिणी दिल्ली। मथुरा मार्ग पर सरिता विहार फ्लाईओवर की मरम्मत का काम एक अक्टूबर से शुरू हो जाएगा। इसके लिए यातायात पुलिस ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को अनुमति दे दी है।

काम शुरू होने से दिल्ली से फरीदाबाद जाने वाले वाहन चालकों की परेशानी बढ़ सकती है। हालांकि पुलिस ने वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने के लिए एडवाइजरी जारी कर दी है।

पहले और दूसरे चरण में काम एक से 30 अक्टूबर तक होगा। पीडब्ल्यूडी भी अपनी एडवाइजरी तैयार कर प्रकाशन के लिए दिल्ली सूचना एवं प्रचार विभाग को भेजेगा। पुलिस ने दिशानिर्देश से संबंधित बैनर भी बनवा लिए हैं।

इन्हें शुक्रवार को मथुरा रोड पर जगह-जगह लगा दिया जाएगा, ताकि इस रोड से गुजरने वाले वाहन चालकों को मरम्मत कार्य के बारे में पता चल सके। मथुरा रोड से प्रतिदिन एक लाख से ज्यादा वाहनों की आवाजाही होती है।

दो महीने तक चार चरण में होना है मरम्मत कार्य

यह फ्लाईओवर एनसीआर के नोएडा और फरीदाबाद क्षेत्रों को दक्षिण-पूर्वी दिल्ली और बदरपुर से जोड़ता है। इसकी मरम्मत का काम दो महीने की अवधि में चार चरण में पूरा किया जाएगा। एक चरण में 15 दिन होंगे।

इसके तहत सबसे पहले 30 दिनों तक आश्रम से बदरपुर जाने वाले फ्लाईओवर की मरम्मत का काम किया जाएगा। इसके बाद तीसरे और चौथे चरण का काम बदरपुर से आश्रम की तरफ आने वाले फ्लाईओवर पर किया जाएगा। इससे एक समय पर पूरा फ्लाईओवर बंद नहीं होगा।

फ्लाईओवर पर बनाए जाएंगे दो कट

वहीं, यातायात को सुचारू रखने के लिए आश्रम से फरीदाबाद जाने वाले मार्ग पर फ्लाईओवर के शुरू और खत्म होने पर कट बनाया जाएगा। इससे शाम को आश्रम से आने वाले ट्रैफिक की एक लेन फरीदाबाद से आने वाले मार्ग के फ्लाईओवर पर चल सकेगी।

फ्लाईओवर के एक्सपेंशन ज्वाइंट को बदला जाएगा

इस फ्लाईओवर का निर्माण दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने 2001 में कराया था। मरम्मत कार्य में फ्लाईओवर के सात एक्सपेंशन ज्वाइंट बदले जाएंगे। बेयरिंग और सतह की मरम्मत भी की जाएगी। इसकी मरम्मत पिछले दो साल से लंबित है, जिसे अप्रैल 2022 में तत्कालीन पीडब्ल्यूडी मंत्री मनीष सिसोदिया ने मंजूरी दी थी।

बार-बार अटकता रहा फ्लाईओवर का काम

फ्लाईओवर की मरम्मत का काम इससे पहले मई, जून और जुलाई, अगस्त में निर्धारित किया गया था और तब से इसे कई बार स्थगित कर दिया गया है।

मई में लोकसभा चुनाव के चलते इसे टाल दिया गया था।

जून में यातायात पुलिस ने अनुमति देने के बाद भी इस फ्लाईओवर की मरम्मत का काम इसलिए रुकवा दिया था, चूंकि पीडब्ल्यूडी ने एडवाइजरी जारी नहीं की थी।

जुलाई में एडवाइजरी जारी की गई तो कांवड़ यात्रा के चलते तब काम शुरू नहीं हो सका था।

अगस्त में मानसून की वजह से काम शुरू नहीं हो सका था, चूंकि वर्षा से सरिता विहार अंडरपास में पानी भर जाता है।

पहले और दूसरे चरण के लिए यातायात पुलिस की एडवाइजरी

दक्षिणी जिला यातायात पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि पहले चरण में एक से 30 अक्टूबर तक अवधि में आश्रम से बदरपुर तक फ्लाईओवर के कैरिज-वे का आधा हिस्सा यातायात के लिए बंद रहेगा। जबकि कैरिज-वे का दूसरा आधा हिस्सा 24 घंटे यातायात के लिए खुला रहेगा। बदरपुर से आश्रम तक जाने वाला दूसरा कैरिज-वे यातायात के लिए पूरी तरह खुला रहेगा।

रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डे, अस्पताल आदि जाने वाले यात्री अपने प्रस्थान की योजना पहले से बना लें और भीड़भाड़ और देरी से बचने के लिए वैकल्पिक मार्ग का चयन करें।

मथुरा रोड पर आश्रम से बदरपुर और फरीदाबाद जाने वाले वाहन चालक सरिता विहार फ्लाईओवर के स्लिप रोड से रोड नंबर 13-ए पर पहुंचे। फिर यहां से यू-टर्न लेकर मथुरा रोड पर पहुंचें और अपने अंतिम गंतव्य तक पहुंचे।

आश्रम से आने वाले और मथुरा रोड के रास्ते नोएडा जाने वाले यात्री अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए आश्रम चौक से डीएनडी फ्लाईवे का प्रयोग करें।

एम्स, मूलचंद, लाजपत नगर और पश्चिमी दिल्ली से फरीदाबाद की ओर जाने वाले यात्री अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए लाला लाजपत राय मार्ग, आउटर रिंग रोड, मां आनंदमयी मार्ग और एमबी रोड का इस्तेमाल करें।

हैदराबाद में 2 दिन में एक्सप्लोर करें ये फेमस प्लेसेस, यादगार बनेगी आपकी ट्रिप

इस समय घूमने के लिहाज से मौसम भी बहुत अच्छा है। ऐसे में यकीनन बहुत सारे लोग हिल स्टेशन जाने का प्लान बनाते हैं। वैसे तो भारत में घूमने के लिए कई ऐसी जगहें हैं। लेकिन आप हैदराबाद को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

अक्सर एक-दो दिन की छुट्टी मिलने पर हम बाहर कहीं घूमने का प्लान बना लेते हैं। इस समय घूमने के लिहाज से मौसम भी बहुत अच्छा है। ऐसे में यकीनन बहुत सारे लोग हिल स्टेशन जाने का प्लान बनाते हैं। वैसे तो भारत में घूमने के लिए कई ऐसी जगहें हैं। लेकिन अगर आप घूमने के साथ-साथ इतिहास को भी जानने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आप हैदराबाद का ट्रिप प्लान कर सकते हैं।

यहां पर आपको दिल छू जाने वाले दृश्य, प्राकृतिक सुंदरता और खूबसूरत मैदान देखने को मिलेंगे। यहां पर कई ऐसी जगहे हैं, जहां पर लाखों पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में आज हम आपको हैदराबाद के उन प्लेसेस के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप 2 दिन में एक्सप्लोर कर सकते हैं।

रामगिरि किला

अगर आप ऐतिहासिक चीजों को देखने का शौक रखते हैं, तो आप यहां पर रामगिरि किला एक्सप्लोर कर सकते हैं। यहां घूमने के साथ आपको इतिहास से भी जुड़ने का मौका मिलेगा। इस जगह ट्रिप के पहले दिन आ सकते हैं। यह किला पेद्दापल्ली बस स्टेशन से 20 किलोमीटर और करीमनगर से 56 किलोमीटर दूर है। इस किले को एक्सप्लोर करने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं।

यह किला पत्थर से बना है और इसमें कई बुर्ज बने हैं। रामगिरी किला हरे-भरे क्षेत्र में फैला है, इसलिए बेहतर है कि आप यहां पर अपने दोस्तों के साथ जाएं या फिर आप यहां पर पार्टनर के साथ भी आ सकते हैं।

मक्का मस्जिद

अगर आप थोड़ा धार्मिक टाइप के व्यक्ति हैं, तो आप मक्का मस्जिद जा सकते हैं। मक्का मस्जिद भारत की सबसे पुरानी मस्जिदों में से एक है। यह मस्जिद हैदराबाद के लाद बाज़ार के चौमहल्ला पैलेस के पास है। इसका निर्माण मुहम्मद कुली कुतुब शाह द्वारा करवाया गया था।

इस मस्जिद का नाम मक्का रखा गया है, क्योंकि इसके निर्माण के दौरान ईंटों और मिट्टी को मक्का से ले जाया गया था। मक्का मस्जिद की आंतरिक संरचना और बाहरी डिजाइन बेहद खूबसूरत है। ऐसे में जब भी आप हैदराबाद जाएं, तो इस मस्जिद को देखने जरूर जाएं।

रामोजी फिल्म सिटी

हैदराबाद से करीब 41 किमी दूर रामोजी फिल्म सिटी हैदराबाद के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है। यह फिल्म सिटी करीब 2500 एकड़ में फैला है। यह भारत में सबसे बड़ी फिल्म बनाने वाली फैसिलिटी को प्रदान करता है।

यहां पर आपको घूमने के लिए 900-1000 रुपए प्रवेश शुल्क देना होगा। यहां पर आप फेमस लॉन और अन्य प्वाइंट्स जरूर एक्सप्लोर करें। यहां पर हिंदी, मलयामल, तेलुगु और अन्य भाषा की फिल्मों की शूटिंग हुई है।

चौमहल्ला पैलेस

नबाबों के शहर में मौजूद चौमहल्ला पैलेस को एक समय पर हैदराबाद का दिल कहा जाता था। ऐसे में आपको चौमहल्ला पैलेस को एक्सप्लोर करना चाहिए। इस पैलेस को दो भागों में बाटा गया है। जिसको घूमने का अपना ही मजा है। इस पैलेस के मुख्य द्वार के ऊपर घड़ी देखने को मिलेगी, जिसको लोग 'खिलवत घड़ी' कहा जाता है। इस ट्रिप को यादगार बनाना चाहते हैं, तो इस जगह पर जरूर घूमने आएं।

नवरात्रि में अगर आप भी घर में जलाते हैं अखंड ज्योति, तो जान ले आज ही ये नियम

शारदीय नवरात्रि का आरंभ 3 अक्टूबर 2024 से हो रहा है। नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ स्वरुप की पूजा की जाती है। भक्त जन मां को प्रसन्न करने के लिए नौ दिनों तक व्रत और मां के लिए अखंड ज्योत जलाते हैं। अगर आप भी अखंड ज्योति जला रहे हैं, तो इन बातों का रखें ध्यान।

आश्विन मास में शारदीय नवरात्रि का पर्व आता है। वैसे तो साल में कुल 4 ननरात्रि पड़ती है। 2 गुप्त नवरात्रि और चैत्र व शारदीय नवरात्रि पड़ती है। गुप्त नवरात्रि साधु और तंत्रिक लोगों के लिए होती है और चैत्र व शारदीय नवरात्रि के मनुष्य के लिए होती है। इस साल शारदीय नवरात्रि की शुरुआत आरंभ 3 अक्टूबर 2024 हो रहा है और इसका समापन 12 अक्टूबर 2024 को हो रहा है। नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ स्वरुप की पूजा की जाती है। भक्त जन मां को प्रसन्न करने के लिए नौ दिनों तक व्रत और मां के लिए अखंड ज्योत जलाते हैं। अगर आप भी अखंड ज्योति जला रहे हैं, तो इन नियमों को जरुर जानें।

अखंड ज्योत के नियम

- नवरात्र में अगर आप भी अखंड ज्योत जला रहे हैं, तो इन बातों का ध्यान रखना भी जरुरी है। इसके लिए दीपक और ज्योत की बत्ती इतनी बड़ी लेनी है कि ताकि ये लंबे समय तक जले।

- अखंड ज्योत की देखभाल करने के लिए इस बात का ध्यान रखें कि स्नान करके शुद्ध होकर ही अखंड ज्योत में घी, शुद्ध देसी घी भरें। इसे कभी गंदे हाथों से नहीं छूना चाहिए।

- अखंड ज्योति जलाने के लिए इस्तेमाल हुए दीया और टूटे हुए दीपक का प्रयोग न करें। इस ज्योत की बत्ती कलावे से भी बना सकते हैं, इसमें चावल भरे जाते हैं।

- अखंड ज्योत को माता के पास जमीन पर नहीं बल्कि किसी थाली में चावल भरकर रख सकते है।

- ध्यान रहे कि जहां पर अखंड ज्योत जलती हैं, वहां ताला नहीं लगाना चाहिए। इसमें इतना घी भरकर रखें कि यह 3-4 घंटे तक जलता रहे।

- अखंड ज्योति अपने आप कन्या पूजन के बाद समाप्त होता है।

- यदि आप किसी कारणवश अपने घर पर अखंड ज्योत नहीं जला पा रहे हैं, तो आपको किसी मंदिर में जाकर अखंड ज्योत की सामग्री दान करनी चाहिए।

स्किन केयर के ये 4 प्रोडक्ट त्वचा को कर देते हैं बर्बाद, आज से ही बंद कर दें इस्तेमाल

डर्मेटोलॉजिस्ट स्किन केयर के इन प्रोडक्ट्स को यूज करने से मना करती हैं। लेकिन हम आपको स्किन के ऐसे 4 प्रोडक्ट्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका इस्तेमाल आप स्किन की बेहतरी के लिए करते हैं, लेकिन यह आपकी त्वचा को सिर्फ नुकसान पहुंचाते हैं।

आजकल लगभग सभी लोग अपनी स्किन की इतनी ज्यादा फिक्र करते हैं कि बिना डॉक्टर की सलाह लिए ऐसी चीजों का इस्तेमाल करने लगते हैं, जो आपकी त्वचा को बर्बाद करने लगती हैं। फिर भले ही इन चीजों को अच्छा बताकर इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन डर्मेटोलॉजिस्ट स्किन केयर के इन प्रोडक्ट्स को यूज करने से मना करती हैं। लेकिन आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको स्किन के ऐसे 4 प्रोडक्ट्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका इस्तेमाल आप स्किन की बेहतरी के लिए करते हैं, लेकिन यह आपकी त्वचा को सिर्फ नुकसान पहुंचाते हैं।

फुट स्क्रबर

कई महिलाएं डेड स्किन सेल्स और काली स्किन वाली एड़ी को साफ करने के लिए फुट स्क्रबर का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन यह आपकी एड़ियों की हालत ज्यादा खराब कर सकता है। इसलिए बेहतर है कि आप गर्म पानी में पैरों को भिगोकर सॉफ्ट तौलिए से पोछ लें। फिर पैरों में फुट क्रीम लगाएं। फुट स्क्रबर का इस्तेमाल करने से आपकी एड़ियां ज्यादा फट सकती हैं।

लूसा

अधिकतर घरों के बाथरूम में लूफा रखा होता है। जिसको नहाने के समय त्वचा को साफ करने के लिए यूज करते हैं। डर्मेटोलॉजिस्ट की मानें, तो यह हमारी स्किन के लिए बहुत नुकसानदेह होता है। इसकी जगह आप AHA और BHA वाले जेंटल एक्सफोलिएशन का इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर आप बॉडी पर लूफा का इस्तेमाल करती हैं, तो यह आपके शरीर पर डार्क स्पॉट को ज्यादा खराब कर सकता हैं।

फेस क्लींजर

आजकल स्किन केयर से जुड़े कई टूल्स मार्केट में आ गए हैं। जिनमें से एक टूल्स फेस क्लींजर है। यह फेस को गहराई से साफ करने में मदद करता है। लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि ऐसा कुछ नहीं है।

अगर आप फेस क्लींजर से चेहरे को साफ करते हैं, तो इसका ब्रश आपकी त्वचा के लिए बहुत हार्ड होता है और स्किन को डैमेज कर सकता है। फेस क्लीन करने के लिए आपको हाथों का इस्तेमाल करना चाहिए। आप चाहें तो फेस क्लीन करने के लिए डबल क्लीनिंग कर सकते हैं। इसके अलावा फोम वाले फेस वॉश का भी यूज कर सकती हैं।

क्यूटिकल कटर या पुशर

बता दें कि क्यूटिकल कटर या पुशर का इस्तेमाल पहले सिर्फ पार्लर में किया जाता था, लेकिन अब लोग घर में भी इसका इस्तेमाल करने लगे हैं। हमारे नाखूनों की जड़ों पर जो स्किन होती है, उसको क्यूटिकल कहते हैं। इसलिए क्यूटिकल कटर का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

अच्छे फिजिकल रिलेशनशिप के लिए अपनी इन यौन अपेक्षाओं को बेडरूम के बाहर रखें

सेक्स पर ध्यान केंद्रित करना जरुरी है, लेकिन कुछ ऐसी चीजें हैं जिनकी हमें सेक्स से उम्मीद करना बंद कर देना चाहिए। आखिरकार, इसका उद्देश्य आपको अपने साथी के करीब लाना और आपके रिश्ते को मज़बूत करना है, न कि सिर्फ़ आनंद के लिए।

यौन अपेक्षाएं रखना उतना ही सामान्य है जितना कि सेक्स करना। लेकिन क्या हम खुले तौर पर स्वीकार करते हैं कि हम अपने साथी से क्या चाहते हैं? बहुत से लोग अपनी यौन अपेक्षाओं को स्वीकार नहीं करते हैं, लेकिन वे अपने पार्टनर से उम्मीद करते हैं। वे बिस्तर में एक अच्छे और आनंददायक अनुभव की उम्मीद करते हैं। हालाँकि, इनमें से कुछ उम्मीदों को 'अवास्तविक अपेक्षाएं' (unrealistic expectations) कहा जाता है। लेकिन क्यों?

कुछ लोगों को लगता है कि जितना ज़्यादा वे सेक्स करेंगे, उतना ही ज़्यादा आनंद उन्हें मिलेगा। लेकिन वास्तव में, जितना ज़्यादा आप ज़्यादा सेक्स करने पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करते हैं, ये उतना ही कम रोमांचक और आनंददायक होने लगता है। सेक्स पर ध्यान केंद्रित करना जरुरी है, लेकिन कुछ ऐसी चीजें हैं जिनकी हमें सेक्स से उम्मीद करना बंद कर देना चाहिए। आखिरकार, इसका उद्देश्य आपको अपने साथी के करीब लाना और आपके रिश्ते को मज़बूत करना है, न कि सिर्फ़ आनंद के लिए।

पोर्न स्टार की तरह सेक्स करने की उम्मीद करना बंद करें

प्रमाणित सेक्स थेरेपिस्ट टॉड बरातेज ने लिखा, 'सेक्स करने की उम्मीद करना बंद करें जैसे कि आप पोर्न स्टार हैं। जब तक आप वास्तव में पोर्न फिल्म नहीं बना रहे हैं, तब तक खुद पर और अपने साथी पर घंटों तक अलग-अलग पोजीशन में सेक्स करने का दबाव न डालें। सेक्स को मज़ेदार होना चाहिए, इसलिए शोर और मूर्खता को होने दें।'

अपने शरीर से यौन मशीन बनने की उम्मीद करना बंद करें

टॉड ने लिखा, 'हो सकता है कि आपका शरीर हमेशा वैसा काम न करे जैसा आप चाहते हैं। हर चीज़ आपकी इच्छा, उत्तेजना और आनंद के स्तर को प्रभावित करेगी। सेक्स कोई सीधा-सादा जैविक कार्य नहीं है, इसमें आपको भावनात्मक और दिमाग से शामिल होना पड़ता है। अगर आप रिलेक्स नहीं है, अपने पार्टनर पर विश्वास नहीं करते हैं, थके हुए हैं या फिर परेशान हैं तो आप बहुत आसानी से टर्न ऑफ हो सकते हैं।'

यह उम्मीद करना बंद करें कि प्रवेश आसान है या सेक्स की परिभाषा

टोड कहते हैं, 'लोगों को लगता है कि पेनिट्रेट करना ही सेक्स है। पेनिट्रेशन ही सब कुछ नहीं होता है। अगर आप अपना पूरा ध्यान पेनिट्रेशन पर देते हैं तो सेक्स उबाऊ हो जाता है। इसलिए रचनात्मक बनें। पार्टनर पर और खुद पर से पेनिट्रेशन का दबाव हटाएं। अन्य चीजों जैसे ओरल सेक्स या फोरप्ले पर ध्यान दें।'

प्रेग्नेंसी में इन 2 हेल्दी फूड्स से रहें दूर, कंसीव करने में नहीं होगी दिक्कत

कंसीव करने के लिए लाइफस्टाइल में बदलाव करना बेहद जरूरी है। डाइट में उन चीजों को हिस्सा बनाएं, जो आपकी फर्टिलिटी को बूस्ट कर सके। इसके अलावा आप योग और एक्सरसाइज भी जरूर करें।

किसी भी महिला के लिए मां बनना जिंदगी का खूबसूरत एहसास होती है। शादी के बाद हर महिला इस खूबसूरत एहसास को जीना चाहती है। कंसीव करने के लिए महिलाओं का सेहतमंद होना बेहद जरूरी है। लेकिन कई बार स्ट्रेस, शरीर में न्यूट्रिएंट्स की कमी और हार्मोनल इंबैलेंस समेत कई चीजों के कारण कंसीव करने में समस्या होती है। इसलिए जब भी कंसीव करने का प्रयास करें, तो अपनी डाइट में हेल्दी चीजों को शामिल करें। उम्र बढ़ने के साथ ही फर्टिलिटी कम होती है और प्रेग्नेंट होने की संभावना कम होती है।

बता दें कि कंसीव करने के लिए लाइफस्टाइल में बदलाव करना बेहद जरूरी है। डाइट में उन चीजों को हिस्सा बनाएं, जो आपकी फर्टिलिटी को बूस्ट कर सके। इसके अलावा आप योग और एक्सरसाइज भी जरूर करें। एक्सपर्ट की मानें, तो कुछ चीजें जो हेल्दी होती हैं। ऐसे में अगर आप मां बनने की कोशिश कर रही हैं, तो इन चीजों से दूरी बनाकर रखना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 2 ऐसे 'हेल्दी फूड्स' के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप प्रेग्नेंसी के दौरान खाने से बचना चाहिए।

इलायची

इलायची हम सभी के किचन में इस्तेमाल होती है। यह खाने के स्वाद को बढ़ाती और औषधीय गुणों से भरपूर होती है। कफ और वात संबंधी समस्याओं को बैलेंक करने में इलायची मदद करती है। इलायची का सेवन करने से सीने में जलन, सांस से जुड़ी परेशानी, दर्द और यूरिन इंफेक्शन को दूर करने में सहायता करती है। इलायची सेक्सुअल हेल्थ के लिए भी फायदेमंद मानी जाती है। यह डाइजेस्टिव फायर को बढ़ावा देने के साथ डाइजेशन में सुधार करती है। एक्सपर्ट की मानें, तो इलायची का अधिक सेवन करने से फर्टिलिटी पर असर पड़ता है। अगर आप कंसीव करने की कोशिश कर रही हैं, या प्रेग्नेंट हैं तो इसका सेवन कम करें या बिलकुल भी न करें।

गुड़हल का फूल

वैसे तो गुड़हल का फूल कई तरह की समस्याओं में लाभकारी माना जाता है। वहीं गुड़हल के फूल की चाय पीने से सिरदर्द, एक्ने, हेयरफॉल और पित्त संबंधी समस्याओं से राहत मिलती है। लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो अगर आप मां बनने की प्लानिंग कर रही हैं, या प्रेग्नेंट हैं, तो गुड़हल के चाय का सेवन नहीं करना चाहिए। यह मिसकैरेज का भी कारण बन सकता है इसलिए इसे अवॉइड करना चाहिए।

'जल्द से जल्द ठीक कराएं दिल्ली की सड़कें', केजरीवाल का CM आतिशी को पत्र; BJP पर लगाए आरोप

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सीएम आतिशी को पत्र लिखकर दिल्ली की टूटी सड़कों की जल्द से जल्द मरम्मत करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मार्च में उनकी गिरफ्तारी से पहले सड़कें ठीक थीं लेकिन अब उनकी हालत खराब हो गई है। केजरीवाल ने बीजेपी पर आरोप लगाया कि उन्होंने दिल्ली सरकार को पटरी से उतारने और दिल्ली को ठप करने की कोशिश की है।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री आतिशी से दिल्ली की टूटी सड़कों की जल्द से जल्द मरम्मत करने की मांग करते हुए एक पत्र लिखा है। इसे विधानसभा में पढ़कर उन्होंने सीएम आतिशी को सौंप दिया। पत्र में उन्होंने लिखा है कि मैं आपके साथ दो दिनों से अलग-अलग सड़कों का निरीक्षण कर रहा हूं। इन सड़कों का काफी बुरा हाल है, जबकि मेरी गिरफ्तारी से पहले यह सड़कें ठीक थीं।

उन्होंने लिखा कि मेरा अनुरोध है कि आप मंत्रियों और विधायकों के साथ सड़क पर उतर कर टूटी सड़कों का एक असेसमेंट करवा लें और उनका तुरंत रिपेयर शुरू करवा दें। केजरीवाल ने आगे लिखा है कि इन लोगों ने सड़कों की नियमित मरम्मत नहीं होने दी। इस वजह से सड़कों की हालत अब ज्यादा खराब हो गई है। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए लिखा है कि क्या कोई पार्टी वोट लेने और चुनाव जीतने की खातिर इतना

गिर सकती है कि वह दो करोड़ लोगों की जिंदगी बेहाल कर दे?

केजरीवाल ने बदहाल सड़कों का मुद्दा उठाया

केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा के दो दिवसीय विशेष सत्र के दौरान दिल्ली की बदहाल सड़कों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि मैं पिछले दो दिन मुख्यमंत्री आतिशी के साथ दिल्ली की सड़कों का मुआयना करने के लिए निकल रहा हूं। मुझे याद है कि जेल जाने से पहले सड़कों की इतनी बुरी हालत नहीं थी। लेकिन मुझे बताया गया कि इन लोगों ने नियमित रूप से होने वाली मेंटेनेंस भी नहीं होने दी। इसलिए दिल्ली की सड़कों की हालत अब ज्यादा खराब हो गई है।

इन लोगों ने हमारा बहुत समय बर्बाद कर दिया: केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के सभी विधायकों से कहा कि इन लोगों ने हमारा बहुत समय बर्बाद कर दिया। पहले मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार किया और फिर मुझे गिरफ्तार किया। उससे पहले कोरोना काल में भी काफी समय चला गया था। अब हमें काफी मेहनत करनी पड़ेगी। हम सब लोग जनता की सेवा करने के लिए ही राजनीति में आए हैं। आने वाले कुछ दिनों के अंदर सभी विधायकों की ड्यूटी लगाई जाएगी। सभी को रात में या सुबह सुबह अपने क्षेत्रों में निकलकर सड़कों का मुआयना करना पड़ेगा। पीडब्ल्यूडी की जो-जो सड़कें टूटी हुई हैं, उनका एक असेसमेंट कर लेते हैं। इसके बाद सीएम आतिशी उन सारी सड़कों का एक साथ मरम्मत का ऑर्डर दे देंगी, ताकि सभी सड़कें एक साथ रिपेयर की जा सकें।

अरविंद केजरीवाल सीएम आतिशी को लिखे पत्र में कहा-

पिछले दो दिन मैं आपके साथ दिल्ली की अलग-अलग सड़कों का निरीक्षण करने गया। इन सड़कों का काफ़ी बुरा हाल है। मार्च महीने में जब मुझे गिरफ्तार किया गया था, तब दिल्ली की सड़कें ठीक थीं।

अभी कुछ दिन पहले मुझे इनका एक बड़ा नेता मिला। मैंने उससे पूछा कि मुझे गिरफ्तार करके उन्हें क्या मिला तो उसने मुस्कुरा कर कहा कि दिल्ली सरकार को हमने डिरेल कर दिया, दिल्ली को ठप कर दिया। उसका जवाब सुनकर मैं हैरान रह गया। तो क्या मुझे गिरफ्तार करने का उनका मकसद दिल्ली को ठप करना था, क्या उनका मकसद दिल्ली वालों को परेशान करना था? जनता के परेशान होने से कोई व्यक्ति या कोई पार्टी खुश कैसे हो सकते हैं? जाहिर है कि इनका मकसद दिल्ली के काम रोककर आम आदमी पार्टी की सरकार को बदनाम करना था, ताकि ये लोग दिल्ली के चुनाव जीत जाएं। कोई पार्टी वोट लेने और चुनाव जीतने की खातिर इतना कैसे गिर सकती है कि दो करोड़ लोगों की ज़िंदगी बेहाल कर दे।

हम लोग ऐसे नहीं हैं। हम लोग राजनीति में जनता की सेवा करने के लिए आए हैं। अब हमें युद्ध स्तर पर काम करना है। दिल्ली के सभी रुके हुए काम शुरू करवाने हैं। इस बार बारिश भी बहुत हुई है। इस वजह से दिल्ली की कई सड़कें ख़राब हो गई हैं। कृपया सभी मंत्रियों और विधायकों के साथ सड़क पर उतर कर एक असेसमेंट करवा लें कि कौन-कौन सी सड़कें ख़राब हैं और उनका तुरंत रिपेयर शुरू करवा दें। हमें रात-दिन मेहनत करनी होगी। दिल्ली के सभी रुके हुए काम चालू करवाने होंगे। दिल्ली के लोगों के साथ मिलकर उनकी सभी परेशानियों को दूर करना है।

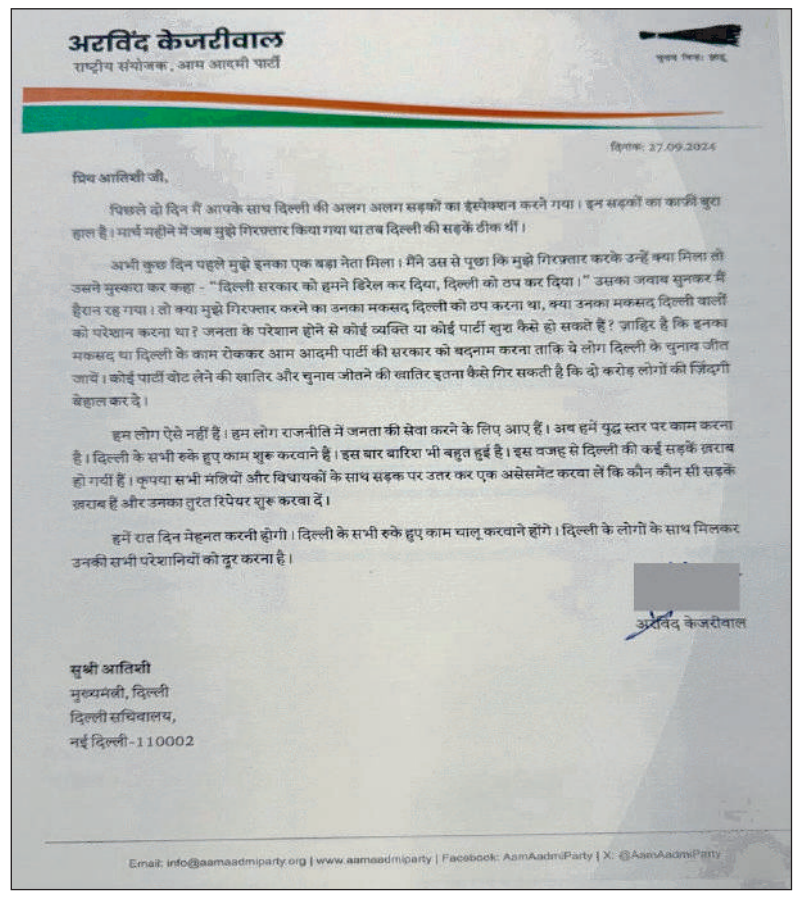

अरविंद केजरीवाल
राष्ट्रीय संयोजक, आम आदमी पार्टी

दिनांक: 27.09.2024

प्रिय आतिशी जी,

पिछले दो दिन मैं आपके साथ दिल्ली की अलग अलग सड़कों का इंस्पेक्शन करने गया। इन सड़कों का काफ़ी बुरा हाल है। मार्च महीने में जब मुझे गिरफ़्तार किया गया था तब दिल्ली की सड़कें ठीक थीं।

अभी कुछ दिन पहले मुझे इनका एक बड़ा नेता मिला। मैंने उस से पूछा कि मुझे गिरफ़्तार करके उन्हें क्या मिला तो उसने मुस्कुरा कर कहा - "दिल्ली सरकार को हमने डिरेल कर दिया, दिल्ली को ठप कर दिया।" उसका जवाब सुनकर मैं हैरान रह गया। तो क्या मुझे गिरफ़्तार करने का उनका मकसद दिल्ली को ठप करना था, क्या उनका मकसद दिल्ली वालों को परेशान करना था? जनता के परेशान होने से कोई व्यक्ति या कोई पार्टी खुश कैसे हो सकते हैं? ज़ाहिर है कि इनका मकसद था दिल्ली के काम रोककर आम आदमी पार्टी की सरकार को बदनाम करना ताकि ये लोग दिल्ली के चुनाव जीत जायें। कोई पार्टी वोट लेने की खातिर और चुनाव जीतने की खातिर इतना कैसे गिर सकती है कि दो करोड़ लोगों की ज़िंदगी बेहाल कर दे।

हम लोग ऐसे नहीं हैं। हम लोग राजनीति में जनता की सेवा करने के लिए आए हैं। अब हमें युद्ध स्तर पर काम करना है। दिल्ली के सभी रुके हुए काम शुरू करवाने हैं। इस बार बारिश भी बहुत हुई है। इस वजह से दिल्ली की कई सड़कें ख़राब हो गयी हैं। कृपया सभी मंत्रियों और विधायकों के साथ सड़क पर उतर कर एक असेसमेंट करवा लें कि कौन कौन सी सड़कें ख़राब हैं और उनका तुरंत रिपेयर शुरू करवा दें।

हमें रात दिन मेहनत करनी होगी। दिल्ली के सभी रुके हुए काम चालू करवाने होंगे। दिल्ली के लोगों के साथ मिलकर उनकी सभी परेशानियों को दूर करना है।

अरविंद केजरीवाल

सुश्री आतिशी
मुख्यमंत्री, दिल्ली
दिल्ली सचिवालय,
नई दिल्ली-110002

Email: info@aamaadmiparty.org | www.aamaadmiparty | Facebook: AamAadmiParty | X: @AamAadmiParty

MCD में खींचतान के बीच स्टैंडिंग कमेटी चुनाव में BJP ने मारी बाजी, AAP प्रत्याशी को नहीं

दिल्ली नगर निगम (MCD) में खींचतान के बीच भाजपा ने स्टैंडिंग कमेटी चुनाव में बाजी मार ली है। सत्तारूढ़ आप और कांग्रेस के पार्षदों ने चुनाव का बहिष्कार किया जिससे भाजपा उम्मीदवार सुंदर सिंह को निर्विरोध जीत मिली। स्थायी समिति दिल्ली नगर निगम की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था है। इसके साथ भाजपा के पास अब पैनल में 10 सदस्य हैं जबकि आप के पास केवल आठ हैं।

नई दिल्ली। एमसीडी की स्थायी समिति के 18वें सदस्य के लिए भाजपा पार्षद सुंदर सिंह ने जीत दर्ज की है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना के आदेश पर अतिरिक्त आयुक्त जितेंद्र यादव ने निर्वाचन अधिकारी के तौर पर कार्य किया। चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा लेने के कांग्रेस पहले इनकार कर चुकी थी। जबकि आम आदमी पार्टी ने गैर कानूनी तरीके से चुनाव कराने की बात कहकर चुनाव का बहिष्कार किया।

चुनाव की प्रक्रिया की वीडियो रिकार्डिंग की गई। इसमें भाजपा के सभी पार्षदों ने हिस्सा लिया था। जिसमें 115 वोट सुंदर सिंह को मिले और आप प्रत्याशी निर्मला कुमारी को शून्य वोट मिले। इससे मतदान किए गए 115 वोटों में से जीतने के लिए जरूरी 58 वोट का कोटा पूरा करने पर सुंदर सिंह को

विजयी घोषित कर दिया गया।

चुनाव प्रक्रिया के लिए ढाई घंटे का समय निर्धारित था

इस चुनाव के बाद एमसीडी स्थायी समिति में चेयरमैन व डिप्टी चेयरमैन बनाने के लिए भाजपा ने बहुमत हासिल कर लिया है। एलजी के आदेश पर दोपहर एक बजे बैठक हुई थी। इसमें मतदान की प्रक्रिया कराई गई। वार्ड अनुसार पार्षदों को मतदान के लिए आमंत्रित किया गया और बैलेट पेपर के माध्यम से मतदान हुआ। चुनाव प्रक्रिया के ढाई घंटे का समय निर्धारित किया गया था। इसके लिए एक घंटे में उपस्थित सदस्यों द्वारा मतदान करने के बाद डेढ़ घंटे तक अनुपस्थित सदस्यों का इंतजार किया गया।

चार बार अनुपस्थित सदस्यों का नाम पुकारा गया

साथ ही चार बार अनुपस्थित सदस्यों को मतदान के लिए नाम पुकारे गए जब कोई सदस्य नहीं आए तो मतगणना कराई गई और मतदान के नतीजे घोषित कर दिए गए। उल्लेखनीय है कि स्थायी समिति के सदस्य का चुनाव 26 सितंबर को होना था। इस बीच आप पार्षदों ने यह कहते हुए विरोध किया था कि दिल्ली पुलिस उनकी तलाशी नहीं ले सकती। पुलिस इसलिए तलाशी कर रही थी क्योंकि सदन में मतदान होने की वजह से मोबाइल ले जाना प्रतिबंधित था।

5 अक्टूबर तक के लिए सदन की बैठक स्थगित

महापौर डॉ. शैली ओबेराय ने सदन में कहा था कि पार्षदों को बिना तलाशी के अंदर आने की अनुमति दी जाए लेकिन निगम अधिकारियों ने महापौर की मांग को खारिज कर दिया। इस बीच महापौर ने पांच अक्टूबर तक के लिए सदन की बैठक को स्थगित कर दिया था।

इस पर उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने हस्तक्षेप कर निगमायुक्त को आदेश दिए थे कि वह 26 सितंबर को ही चुनाव कराए। साथ ही बैठक की अध्यक्षता के लिए महापौर, उप महापौर और वरिष्ठ पार्षदों से उपस्थित रहने का आग्रह किया। इस पर निगम ने महापौर से आग्रह किया तो उन्होंने यह लिख दिया कि बैठक पांच अक्टूबर को होगी। ऐसे में कोई भी चुनाव की प्रक्रिया कराई जाती है, तो वह अवैध है।

मुकेश गोयल ने निगम को कोई जवाब नहीं दिया

वहीं, उप-महापौर और वरिष्ठ पार्षद और नेता सदन मुकेश गोयल ने निगम को कोई जवाब नहीं दिया। इस पर निगमायुक्त ने उपराज्यपाल को सारी स्थिति से अवगत कराया तो उपराज्यपाल ने एमसीडी एक्ट के अनुच्छेद 487 का हवाला देते हुए कहा कि अतिरिक्त आयुक्त जितेंद्र यादव को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया और सदन की बैठक एक बजे शुक्रवार को हुई।

साउथ कैंपस में रही गहमागहमी, उम्मीदवारों के समर्थकों ने आचार संहिता का किया उल्लंघन

दिल्ली विश्वविद्यालय में डूसू चुनाव को लेकर दक्षिणी कैंपस में ज्यादा सक्रियता दिखी। यहां पर उम्मीदवारों के समर्थकों ने छात्र-छात्राओं के लिए गाड़ियां लगा रखी थी। ताकि उन्हें मतदान केंद्र तक जाने में कोई दिक्कतों का सामना ना करना पड़े। मेट्रो स्टेशन से लेकर कॉलेज तक की सड़क दोपहर में ही पैम्फलेट से भरी हुई दिखाई दी।

दक्षिणी दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी कैंपस में डूसू चुनाव को लेकर शुक्रवार को प्रत्याशियों और उनके समर्थकों ने खूब जोर आजमाइश की। मेट्रो स्टेशन से लेकर कालेजों के गेट तक छात्रों को पहुंचाने के लिए प्रत्याशियों ने गड़ियां लगा रखी थीं।

गेट पर अपने पक्ष में वोट देने के लिए समर्थक छात्रों की मनुहार करते नजर आए। आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए न केवल पैम्फलेट उड़ाए गए, बल्कि जमकर नारेबाजी भी होती रही।

प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाने के लिए पुराने छात्र-नेताओं से लेकर राजनेताओं तक दिनभर पहुंचते रहे। रणनीतियां बनती रहीं और उसे के हिसाब से छात्रों को अपने पक्ष में करने का प्रयास होता रहा। एक टीम जहां नारेबाजी और पैम्फलेट बांटते हुए प्रत्याशियों का परिचय दे रही थी।

इस दौरान भारी संख्या में पुलिस की रही तैनाती

वहीं दूसरी टीम कॉलेज आने वाले छात्रों से शांतिपूर्वक संपर्क कर अपने कैंडीडेट के लिए वोटिंग करने के लिए मनाती रही। इस दौरान बार-बार पुलिस बल छात्रों को गेट से हटाती रही।

मेट्रो स्टेशन से लेकर राम लाल आनंद कॉलेज तक की सड़क दोपहर होने तक पैम्फलेट से पट गईं। आचार संहिता का उल्लंघन भी जमकर हुए। गेट पर ही पुलिस और प्रशासन के सामने समर्थकों जमकर पर्चे उड़ाए।

स्मार्ट कार्ड से हुए चुनाव, फर्जी वोटिंग पर लगी रोक

पीजीडीएवी ईवनिंग कॉलेज में डूसू चुनाव को लेकर

वोटिंग में स्मार्ट कार्ड का प्रयोग किया गया। प्राचार्य प्रो. रवींद्र गुप्ता ने बताया कि कालेज में विगत सात वर्ष से स्मार्ट कार्ड व्यवस्था लागू है। प्रवेश लेने वाले छात्रों को यह कार्ड जारी किया जाता, जो पहचान पत्र, लाइब्रेरी कार्ड, एटीएम कार्ड की तरह काम करता है।

वोट देने के लिए छात्रों का टू स्टेप वेरिफिकेशन होता है। पहले चरण में स्मार्ट कार्ड स्कैन करते ही छात्र की पूरी डिटेल स्क्रीन पर आ जाती है। फिर पंजीयन कर उन्हें आगे के लिए भेज दिया जाता है। वोट देने से पहले छात्र का मैनुअल स्कैन होता है। यदि कोई व्यक्ति किसी छात्र का कार्ड लेकर दोबारा पहुंचता है तो वहीं पकड़ में आ जाता है।

इस तरह पारदर्शी चुनाव कराते हुए फर्जी वोटिंग रोकी जाती है। छात्र संघ परामर्शदाता डा. विपिन प्रताप सिंह ने बताया कि आंतरिक छात्र संघ समिति निर्विरोध चुन लिया जाने के कारण कालेज में केवल डूसू के चुनाव ही हुए हैं।

एक सीट के चुनाव पर क्यों भिड़ गए AAP और LG, केजरीवाल ने बताया असंवैधानिक; बोले- इनकी नीयत में खोट तभी...

करीब डेढ़ साल से लंबित स्थायी समिति के गठन के लिए समिति के 18 वें सदस्य का चुनाव गुरुवार को दिनभर चली खींचतान और नाटक के बाद नहीं हो पाया। एलजी के हस्तक्षेप के बाद भी बात नहीं बन सकी। AAP ने कहा कि नगर निगम के स्थाई समिति की बैठक की अध्यक्षता कोई अधिकारी नहीं कर सकता है। बता दें अब एक बार फिर उपराज्यपाल और केजरीवाल आमने-सामने हैं।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को कहा कि नगर निगम के स्थाई समिति की बैठक की अध्यक्षता कोई अधिकारी नहीं कर सकता है। मगर एलजी ने भाजपा के कहने पर नगर निगम की अध्यक्षता नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त की अध्यक्षता में कराने के निर्देश दिए हैं। आप नेता मनीष सिसोदिया (Manish Sisodia) ने कहा है कि उनकी पार्टी इसका विरोध करती है। क्योंकि यह कानून संगत नही हैं।

नगर निगम ने आज एक बजे जो बैठक बुलाई है, आप उसमें भाग नहीं लेगी। जो नोटिस निकाला गया है वह अवैध है। आप स्थाई समिति के एक सदस्य के लिए आज होने वाले चुनाव (standing committee elections) में भाग नहीं लेगीं। हम 5 अक्टूबर को चुनाव कराएंगे। जरूरत पड़ी तो आप इस मामले में अदालत का रुख करेगी।

एमसीडी के स्टैंडिंग कमेटी का चुनाव कराने का किए जा रहे प्रयास पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आश्चर्य जताया है। उन्होंने कहा कि इनकी नीयत में खोंट है और ये चुनाव में कुछ न कुछ गड़बड़ करना चाहते हैं, तभी किसी भी तरह चुनाव कराने की ताबड़तोड़ कोशिश कर रहे हैं।

एलजी साहब ने सारे नियमों को दरकिनार कर एक आईएएस अफसर को सदन की अध्यक्षता करने का आदेश दिया है। जबकि सदन बुलाने और उसकी अध्यक्षता करने का अधिकार सिर्फ मेयर के पास है। नियमानुसार, जब भी सदन बुलाया जाएगा, उसके सदस्यों को उपस्थित होने के लिए कम से कम 74 घंटे का समय दिया जाएगा।

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल (Arvind Kejriwal) ने कहा कि एमसीडी के कानून में साफ-साफ लिखा है कि सदन की बैठक बुलाने का अधिकार केवल और केवल मेयर के पास है। मेयर के अलावा किसी और को सदन की बैठक बुलाने का अधिकार नहीं है। एमसीडी के सदन की बैठक एलजी साहब या कमिश्नर नहीं बुला सकते। मेयर ही सदन की बैठक बुला सकती है और बैठक की अध्यक्षता भी

मेयर ही करेंगी।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि नियम को दरकिनार कर एलजी साहब ने एमसीडी का सदन बुला दिया और उसकी अध्यक्षता किसी आइएएस अफसर को करने के नामित कर दिया। ऐसे तो कल को यह कहेंगे कि होम सेक्रेटरी लोकसभा की बैठक की अध्यक्षता करेगा। हम लोकतंत्र में रहते हैं।

इसके अलावा, कानून में लिखा है कि जब भी सदन बुलाया जाएगा, उसमें 72 घंटे का समय दिया जाएगा। कोई पार्षद बाहर चला गया या उपलब्ध नहीं है, तो उसे समय पर पहुंचने के लिए कुछ समय की जरूरत होती है। इनकी नीयत में खोंट नजर आ रही है। चुनाव में कुछ न कुछ गड़बड़ करने की इनकी साजिश नजर आ रही है। इसी वजह से ये किसी भी तरह से चुनाव कराने में ताबड़तोड़ लगे हुए हैं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुझे पता चला है कि मेयर ने एमसीडी के कमिश्नर को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने शुक्रवार को दोपहर एक बजे होने वाले स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव को गैर कानूनी और असंवैधानिक घोषित कर दिया है। साथ ही कमिश्नर को आदेश दिया है कि आज यह चुनाव न कराया जाएगा।

MCD मेयर शैली ओबरॉय ने क्या कहा?

दिल्ली MCD मेयर शैली ओबरॉय (Shelly Oberoi) ने कमिश्नर द्वारा घोषित स्टैंडिंग कमेटी के 6वें सदस्य के चुनाव को अवैध और असंवैधानिक बताते हुए चुनाव को अमान्य घोषित किया। ओबरॉय ने बताया कि DMC एक्ट सेक्शन 74, 76 और रेगूलेशन 23 के तहत हाउस मीटिंग से 72 घंटे पहले लिस्ट ऑफ बिजनेस सभी सदस्यों को देना अनिवार्य है।

सदन का पीठासीन अधिकारी एक चुना हुआ प्रतिनिधि ही हो सकता है। ना की कोई अधिकारी। मेयर के आदेश का उल्लंघन डीएमसी एक्ट और संविधान का उल्लंघन है। 5 अक्टूबर को सदन की अगली बैठक की जानकारी पूर्व में दिए जाने के कारण कई पार्षद दिल्ली से बाहर चले गए हैं।

क्यों महत्वपूर्ण है स्थायी समिति का गठन

दिल्ली नगर निगम में स्थायी समिति वह सर्वोच्च कमेटी है, जिसके पास वित्तीय अधिकार हैं। यानी पांच करोड़ से अधिक की परियोजनाओं को मंजूरी देने का अधिकार स्थायी समिति के पास है। ऐसे में स्थायी समिति का गठन न होने से दिल्ली में एमसीडी के करीब 200 प्रस्ताव लंबित पड़े हैं। इसमें पांच बड़े प्रस्ताव हैं।

जिससे निगम का काम प्रभावित हो रहा है। मध्य जोन में कूड़ा उठाने के कार्य से लेकर भलस्वा, गाजीपुर और ओखला लैंडफिल का कूड़ा निस्तारण की परियोजना भी स्थायी समिति की मंजूरी के लिए लंबित है। इसके साथ ही नरेला-बवाना में एक वेस्ट टू एनर्जी प्लांट की स्थापना की मंजूरी भी लंबित है। इतना ही नहीं 100 के करीब ले आउट प्लान की मंजूरी भी स्थायी समिति के लिए लंबित है।

चुनाव में यह बनी विवाद की वजह

दिल्ली नगर निगम चुनाव में निगम सचिव के उस आदेश से आप पार्षद नाराज थे, जिसमें सदन में मोबाइल लाना प्रतिबंधित किया गया था। पार्षदों का कहना था कि पुलिस उनकी तलाशी नहीं ले सकती है और मोबाइल ले जाने की अनुमति होनी चाहिए।

क़ानूनी शिक्षा के प्रचार एवं प्रसार में शैक्षिक संस्थान एवं मीडिया की अहम भूमिका : विजय गौड़

समिति अध्यक्ष विजय गौड़ ने किया राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेताओं का अभिनन्दन।

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। भागीदारी जन सहयोग समिति के अध्यक्ष विजय गौड़ विशेष आमंत्रण पर के0आर0मंगलम यूनिवर्सिटी गुरुग्राम, हरियाणा पहुचें। इस अवसर पर शिक्षक दिवस पर उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित हुए के0आर0मंगलम यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर प्रोफेसर रघुवीर सिंह, स्कूल ऑफ़ लीगल स्टडीज की डीन प्रोफेसर इंदरप्रीत कौर एवं डॉ० नीरज कुमारी प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर राष्ट्रीय सेवा योजना को समिति अध्यक्ष विजय गौड़ ने मैडल एवं शाल के साथ अभिनन्दन किया।

सम्बोधित करते हुए समिति - अध्यक्ष विजय गौड़ ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा समानता, विकास, शांति और साथ ही महिलाओं और लड़कियों के मानवाधिकारों की पूर्ति में बाधा बनी हुई है। कुल मिलाकर, सतत विकास लक्ष्यो का वादा - किसी को भी पीछे न छोड़ना - महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को समाप्त किए बिना पूरा नहीं किया जा सकता है।समिति अध्यक्ष विजय गौड़ ने देश के शैक्षिक संस्थानों को महिलाओं के प्रति हिंसा के खिलाफ समिति - आंदोलन से जुड़ने का आगाज किया उन्होंने कहा कि क़ानूनी शिक्षा महिलाओं के सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम है, जिसके प्रचार एवं प्रसार में शैक्षिक संस्थान एवं मीडिया की अहम भूमिका है। महिलाओं के प्रति हिंसा के लिए अभियान की शुरुआत अपने घर एवं परिवार से करनी चाहिए और जिस दिन परिवार का एक सदस्य भी जागरूक होकर अपने घर में महिलाओं के प्रति अत्याचार के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराएगा, उस दिन इस अभियान को गति मिलेगी।

कार्यक्रम में पूर्व वाईस चांसलर कश्मीर यूनिवर्सिटी एवं के० आर० मंगलम यूनिवर्सिटी के चेयर प्रोफेसर डॉ० मेहराज उद्दीन मीर, डॉ० राहुल शर्मा रजिस्ट्रार, डॉ० शिखा दत्त शर्मा आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर, थॉमस मोंटेरो, डॉ० अमित कुमार प्रोग्राम अफसर राष्ट्रीय सेवा योजना, डॉ० सपना राणा सदस्य राष्ट्रीय सेवा योजना सहित अन्य फैकल्टी सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति भी थी। इस कार्यक्रम संयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र एवं छात्राओं की सक्रिय भूमिका रही।

मोहल्ले में बुलडोजर पहुंचते ही मचा हड़कंप, लोगों ने चालक को बंधक बनाकर छीनी चाबी

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद के शालीमार गार्डन में लोगों ने नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन किया। इलाके में पहुंची बुलडोजर की चाबी छीन चालक को बंधक बना लिया। अधिकारियों के आश्वासन के बाद चाबी दी गई और बुलडोजर को जाने दिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि कूड़े को पूरी तरह से उठाया जाए केवल एक तरफ करने से समस्या का समाधान नहीं होगा।

गाजियाबाद। शालीमार गार्डन में विक्रम एन्क्लेव के 80 फूटा रोड पर कूड़ा डाले जाने से स्थानीय लोग परेशान हैं। इससे नाराज लोगों ने शुक्रवार को नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन किया। साथ ही कूड़े को हटाने पहुंची बुलडोजर की चाबी छीन चालक को भी बंधक बना लिया। अधिकारियों के आश्वासन के बाद चाबी दी व बुलडोजर को ले जाने दिया गया। लोगों का कहना है कि कूड़े को यहां से पूरी तरह उठाया जाए। केवल एक साइड में करने से समाधान नहीं होगा।

प्रदर्शन करने वाले लोगों ने बताया कि बीते कई वर्ष से यहां कूड़ा डाला जा रहा है। इसकी दुर्गंध से यहां रहना भी दूभर हो गया है। घर से निकलते ही कूड़े के ढ़ेर का सामना करना पड़ता है। बीते करीब 15 दिन से कूड़े का उठान नहीं कराया गया है। करीब आठ से 10 फीट ऊंचा कूड़े का ढ़ेर लग गया है। इससे स्थिति और ज्यादा खराब हो गई है।

लोगों का निकलना हो गया था मुश्किल

इस मार्ग से कई कॉलोनी के लोग गुजरते हैं। लोगों का यहां से निकलना मुश्किल हो गया है। नाक पर कपड़ा लगाकर आना जाना पड़ता है। गंदगी से संक्रामक रोग फैलने का खतरा भी बना हुआ है। कूड़े को लेकर नगर निगम में लगातार शिकायत कर रहे हैं इसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। यह समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। प्रदर्शन में मनोज, संतोष, मनोहर, शिव गुप्ता, रघुवर, देवेंद्र, दीपक मिश्रा, हमीद आदि मौजूद रहे।

आश्वासन के बाद चालक को छोड़ा

प्रदर्शन करीब 11 बजे शुरू हुआ। चालक को बंधक बनाने की जानकारी नगर निगम के अधिकारियों को दी गई। इसके बाद सफाई एवं खाद्य निरीक्षक नरेश कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को जल्द कूड़े का उठान कराने का आश्वासन दिया। करीब एक घंटे बाद लोगों ने चालक व बुलडोजर को जाने दिया।

प्रवेश द्वार पर करोड़ों किए जा रहे खर्च

लोगों का कहना है कि प्रदेश सरकार एक तरफ प्रवेश द्वार बनाने पर करोड़ों का बजट खर्च कर रही है। दूसरी ओर नगर निगम के अधिकारी सरकार की योजनाओं को कचरा कर रहे हैं। जहां प्रवेश द्वार बनाया जा रहा है उससे कुछ दूरी पर ही कूड़ा डाला जा रहा है।

कांग्रेस विधायक के ठिकानों पर छापेमारी, ED ने जब्त की 44.09 करोड़ की संपत्ति; जांच में चौंकाने वाले खुलासे

गुरुग्राम। ED Raid प्रवर्तन निदेशालय (ईडी ED) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हरियाणा के गुरुग्राम, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी और दिल्ली सहित राजस्थान के जयपुर में 44.09 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया है।

इसमें गुरुग्राम के कोबन रेजिडेंसी में 31 फ्लैट, सेक्टर 99ए और हरसरू गांव की 2.25 एकड़ जमीन शामिल है। यह संपत्तियां हरियाणा के विधायक राव दान सिंह और उनके बेटे अक्षत सिंह के नाम से जुड़ी हैं। इन संपत्तियों का संबंध सनसिटी प्रोजेक्ट्स प्रा लिमिटेड और आईएलडी ग्रुप से बताया गया है।

सीबीआई ने दर्ज किया था मामला

ईडी ने यह कार्रवाई सीबीआई द्वारा मैसर्स एलाइड स्ट्रिप्स लिमिटेड और अन्य के विरुद्ध दर्ज एफआईआर के आधार पर की है। आरोप है कि इन लोगों ने बैंकों के 1392.86 करोड़ रुपये का घोटाला किया और गलत तरीके से धन का दुरुपयोग किया। एलाइड स्ट्रिप्स लिमिटेड को 2018 में इनसाल्वेंसी प्रक्रिया के तहत शामिल किया गया था और बाद में इसे दूसरी कंपनी ने खरीद लिया।

उधर, जांच में पाया गया कि बैंकों से लिया गया धन अन्य कंपनियों को असुरक्षित ऋण और अग्रिम भुगतान के रूप में दिया गया। इन लोगों ने लोन की माफी, फर्जी लेन-देन और बुक्स ऑफ अकाउंट में हेरफेर करके इस धन का उपयोग जमीन और अन्य लंबी अवधि की योजनाओं में किया। साथ ही बुक्स ऑफ अकाउंट में भी फर्जीवाड़ा किया गया। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

हरियाणा में किसानों की बल्ले-बल्ले, इस फसल की सरकारी खरीद शुरू

हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए 5 अक्टूबर को वोट डाला जाएगा। कांग्रेस और भाजपा के बीच मुख्य मुकाबला माना जा रहा है। इस चुनाव में हर दल वोटरों से बड़े-बड़े वादे करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इन सबके बीच प्रदेश सरकार ने विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए परमल धान की सरकारी खरीद शुरू कर दी है।

बल्लभगगढ़। विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए सरकार ने परमल धान की सरकारी खरीद 27 सितंबर से शुरू कर दी है। शुक्रवार को मंडी में न तो कोई किसान परमल धान लेकर आया और न ही परमल धान को खरीदने वाली एजेंसी के अधिकारी पहुंचे।

मंडी में धान 1509 आना शुरू हो गया है। बल्लभगढ़ मार्केट कमेटी के सचिव एवं कार्यकारी अधिकारी इंद्रपाल सिंह का कहना है कि वर्षा के दौरान धान की जो फसल भूमि पर गिर गई, उसका दाना काला पड़ गया है। अभी 1509 धान गीला आ रहा है।

2000 से 2500 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब हो रही खरीदी

यही कारण है कि अभी धान 1509 को फिलहाल 2000 से 2500 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीदा जा रहा है। किसान अपने धान को सूखा कर लाएं ताकि उन्हें बेचने में किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

खरीफ की खरीद को ध्यान में रखते हुए मंडी की लाइटों को पूरी तरह से ठीक करा दिया और किसानों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था की है।

बल्लभगढ़ मंडी में होगी बाजरे की सरकारी खरीद

मंडी में प्रवेश करने वाले किसानों का गेट पास बनाने के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी मंडी के गेटों पर लगा दी गई है। अभी बाजरे की भी सरकारी खरीद शुरू नहीं की गई है। बाजरे की सरकारी खरीद बल्लभगढ़ मंडी (Ballabhgarh Mandi) में की जाएगी।

फरीदाबाद-गुरुग्राम में 12 बजे के बाद क्यों चल रहे बार-डिस्को? हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार से मांगा जवाब

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने आबकारी नीति को चुनौती देने वाले एक मामले में सुनवाई करते हुए प्रदेश की नायब सिं सैनी सरकार से कड़े सवाल किए हैं। कोर्ट ने पूछा कि फरीदाबाद-गुरुग्राम में 12 बजे के बाद बार-डिस्को क्यों खुले रहते हैं? अदालत ने इस याचिका में 14 अक्टूबर तक जवाब दायर करने का आदेश दिया है।

परिवहन विशेष न्यूज

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने आबकारी नीति को चुनौती देने वाली एक याचिका पर हरियाणा सरकार को यह जवाब दायर करने का आदेश दिया है कि जिसमें विशिष्ट कारण बताए जाएंगे कि क्यों जिला फरीदाबाद और गुरुग्राम में बार/डिस्कोथेक को 12 बजे के बाद भी संचालन की अनुमति दी गई है और क्या इस संबंध में अन्य प्रशासनिक एजेंसियों से कोई अन्य जानकारी प्राप्त हुई है।

हाईकोर्ट ने सरकार को 14 अक्टूबर तक जवाब दायर करने का आदेश दिया है। इस मामले में दायर याचिका में सवाल उठाया गया है कि गुरुग्राम और फरीदाबाद को छोड़कर अन्य सभी जिलों में बार और पब को आधी रात 12 बजे के बाद के बाद संचालित करने पर रोक लगाई गई है।

अनुच्छेद 14 के तहत संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन

जो स्पष्ट रूप से मनमाना, भेदभावपूर्ण और भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत निहित संवैधानिक अधिकारों का पूरी तरह से उल्लंघन है। हाईकोर्ट के जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संजय वशिष्ठ की खंडपीठ के समक्ष याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि वह पंचकूला में बार और पब खोलने में करोड़ों रुपये की भारी राशि खर्च करने के बाद हॉस्पिटैलिटी व्यवसाय चला रहे हैं।

सरकार ने 2024-25 की आबकारी नीति लागू की-दलील

दलील दी गई कि सरकार ने 2024-25 की आबकारी नीति लागू की। जिसके तहत याचिकाकर्ताओं ने पंचकूला में बार चलाने के लिए अपने लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए आवेदन किया है। लेकिन सरकार ने मनमाने ढंग से और अपने पास मौजूद शक्तियों का दुरुपयोग करके 2024-25 की आबकारी नीति में नियम 9.8.8 में संशोधन किया है।

जिससे हरियाणा राज्य के 20 जिलों में बार/पब खोलने का समय प्रतिबंधित कर दिया गया है, जिसमें पंचकूला भी शामिल है और कुछ चुनिंदा लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए मनमाने ढंग से दो जिलों यानी गुरुग्राम और फरीदाबाद को ऐसे प्रतिबंधों से बाहर रखा गया है।

गाजियाबाद में बनने वाले बस अड्डे को लेकर आया बड़ा अपडेट, लोगों को बहुत जल्द मिलेगा फायदा

साहिबाबाद। गाजियाबाद बस अड्डे के परिसर में पेड़ों के काटने का कार्य शुरू हो गया है। अगले एक सप्ताह में सभी पेड़ों को काटने का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि पेड़ कटने के बाद निर्माण कंपनी तेजी से कार्य करा सकेगी।

25 पेड़ होने के कारण कार्य था प्रभावित

गाजियाबाद बस अड्डे का निर्माण पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) के अंतर्गत ओमेक्स कंपनी कर रही है। बस अड्डे का निर्माण हवाई अड्डे की तर्ज पर करीब 61 करोड़ के बजट से हो रहा है। अड्डा के परिसर में छोटे-बड़े करीब 25 पेड़ होने के कारण कार्य प्रभावित हो रहा था।

वन विभाग से अनुमति लेने के साथ ही पेड़ों की लगवाई गई कीमत

कंपनी ने परिवहन निगम से पेड़ों को कटवाने के लिए कहा था। इस पर परिवहन निगम ने पेड़ों को कटवाने के लिए वन विभाग से अनुमति लेने के साथ ही पेड़ों की कीमत लगवाई थी। इसके बाद वन विभाग के मेरठ स्थित कार्यालय में पेड़ों की बोली लगाई गई थी। बृहस्पतिवार से पेड़ों को काटने का कार्य शुरू कर दिया गया है। गाजियाबाद डिपो की सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक सीमा शिवहरे ने बताया कि पेड़ों को एक लाख, एक हजार में बेचा गया है। जिन पेड़ों को काटा जा रहा है उसमें अशोक, पीपल, पिलखन, केसिया सामिया, एलस्टोनिया, बरगद, शीशम आदि है।

शक्तिशाली देशों की सूची में भारत पहुंचा तीसरे स्थान पर

प्रह्लाद सबनानी

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में एशिया के कई देशों के साथ अपने सम्बंधों को मजबूत किया है। अब तो अफ्रीकी देशों का भी भारत पर विश्वास बढ़ता जा रहा है एवं भारत में ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं।

आस्ट्रेलिया के एक संस्थान, लोवी इन्स्टिट्यूट थिंक टैंक, ने हाल ही में एशिया में शक्तिशाली देशों की एक सूची जारी की है। "एशिया पावर इंडेक्स 2024" नामक इस सूची में भारत को एशिया में तीसरा सबसे बड़ा शक्तिशाली देश बताया गया है। वर्ष 2024 के इस इंडेक्स में भारत ने जापान को पीछे छोड़ा है। इस इंडेक्स में अब केवल अमेरिका एवं चीन ही भारत से आगे है। रूस तो पहिले से ही इस इंडेक्स में भारत से पीछे हो चुका है। इस प्रकार अब भारत की शक्ति का आभास वैश्विक स्तर पर भी महसूस किया जाने लगा है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 के प्रतिवेदन में बताया गया है कि वर्ष 2023 के इंडेक्स में भारत को 36.3 अंक प्राप्त हुए थे जो वर्ष 2024 के इंडेक्स में 2.8 अंक से बढ़कर 39.1 अंकों पर पहुंच गए हैं एवं भारत इस इंडेक्स में चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर आ गया है।

एशिया पावर इंडेक्स 2024 को विकसित करने के लिए कुल 27 देशों और क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़ों का आंकलन एवं सूक्ष्म विश्लेषण किया गया है। एशिया में जो नए शक्ति समीकरण बन रहे हैं उनका ध्यान भी इस इंडेक्स में रखा गया है तथा विभिन्न मापदंडों पर आधारित पिछले 6 वर्षों के आकड़ों का विश्लेषण कर यह इंडेक्स बनाया गया है। आर्थिक क्षमता, सैन्य (मिलिटरी) क्षमता, अर्थव्यवस्था में लचीलापन, भविष्य में संसाधनों की उपलब्धता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध एवं सांस्कृतिक प्रभाव जैसे मापदंडो पर उक्त 27 देशों एवं क्षेत्रों का आंकलन कर विभिन्न देशों को इस इंडेक्स में स्थान प्रदान किया गया है।

उक्त इंडेक्स में अमेरिका, 81.7 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर है। चीन 72.7 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर है। भारत ने इस इंडेक्स में 39.1 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। जापान को 38.9 अंक, आस्ट्रेलिया को 31.9 अंक एवं रूस को 31.1 अंक प्राप्त हुए हैं एवं इन देशों का क्रमशः चतुर्थ, पांचवा एवं छठवां स्थान रहा है। इस इंडेक्स में प्रथम 5 स्थानों में से 4 स्थानों पर "क्वाड" के सदस्य देश हैं - अमेरिका, भारत, जापान एवं आस्ट्रेलिया। एशिया में अमेरिका की लगातार बढ़ती मजबूत ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जबकि, चीन की मजबूत मिलिटरी ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। जापान के इस इंडेक्स में तीसरे से चौथे स्थान पर आने के कारणों में मुख्य कारण उसकी आर्थिक स्थिति में लगातार आ रही गिरावट है। भारत ने चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर छलांग लगाई है। आर्थिक क्षमता एवं भविष्य में संसाधनो की उपलब्धता के क्षेत्र में भारत को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। साथ ही, सैन्य क्षमता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध के क्षेत्र एवं सांस्कृतिक प्रभाव के क्षेत्र में भारत को चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। अब केवल अमेरिका और चीन ही भारत से आगे हैं एवं जापान, आस्ट्रेलिया एवं रूस भारत से पीछे हो गए हैं। जबकि, कुछ वर्ष पूर्व तक विश्व की महान शक्तियों में भारत का कहीं भी स्थान नजर नहीं आता था। केवल अमेरिका, रूस, चीन, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रान्स आदि देशों को ही विश्व में महाशक्ति के रूप में गिना जाता था। अब इस सूची में भारत तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

उक्त इंडेक्स तैयार करते समय आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड आदि अन्य शक्तिशाली देशों का भी आंकलन किया गया है। साथ ही, विश्व में तेजी से बदल रहे शक्ति के नए समीकरणों का भी व्यापक आंकलन किया गया है। इस आंकलन के अनुसार अमेरिका अभी भी एशिया में सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बना हुआ है। चीन तेजी से आगे बढ़कर दूसरे स्थान पर आया है। तेजी से बढ़ती सेना एवं आर्थिक तरक्की चीन की मुख्य ताकत है। उक्त प्रतिवेदन में यह तथ्य भी बताया गया है कि उभरते हुए भारत से अपेक्षाओं एवं वास्तविकताओं में अंतर दिखाई दे रहा है। इस प्रतिवेदन के अनुसार, भारत के पास अपने पूर्वी देशों को प्रभावित करने की सीमित क्षमता है। परंतु, वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। भारत अपने पड़ौसी देशों नेपाल, भूटान, श्रीलंका, बंगलादेश, म्यांमार एवं अफगानिस्तान, आदि की विपरीत परिस्थितियों के बीच भारी मदद करता रहा है। आसियान के सदस्य देशों की भी भारत समय समय पर मदद करता रहा है, एवं इन देशों का भारत पर अपार विश्वास रहा है। कोरोना के खंडकाल में एवं श्रीलंका, म्यांमार तथा अफगानिस्तान में आए सामाजिक संघर्ष के बीच भारत ने इन देशों की मानवीय आधार पर भरपूर आर्थिक सहायता की थी एवं इन्हें अमेरिकी डॉलर में लाइन आफ क्रेडिट की सुविधा भी प्रदान की थी ताकि इनके विदेशी व्यापार को विपरीत रूप से प्रभावित होने से बचाया जा सके। उक्त प्रतिवेदन के अनुसार भारत के पास भारी मात्रा में संसाधन मौजूद हैं एवं जिसके बलबूते पर आगे आने वाले समय में भारत के आर्थिक विकास को और अधिक गति मिलने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। साथ ही, भारत अपने पड़ोसी देशों की आर्थिक स्थिति सुधारने की भी क्षमता रखता है। भारत ने हाल ही के वर्षों में उल्लेखनीय आर्थिक सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं। जिसके चलते लगातार तेज हो रहे आर्थिक विकास के बीच सकल घरेलू उत्पाद की स्थिति और बेहतर हो रही है तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की मान्यता बढ़ रही है। साथ ही, बहुपक्षीय मंचों पर भी भारत की सक्रिय भागीदारी बढ़ती जा रही है।

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में एशिया के कई देशों के साथ अपने सम्बंधों को मजबूत किया है। अब तो अफ्रीकी देशों का भी भारत पर विश्वास बढ़ता जा रहा है एवं भारत में ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। भारत में हाल ही में अपनी कूटनीतिक एवं राजनयिक क्षमता में भी भरपूर सुधार किया है एवं इसके बल पर वैश्विक स्तर पर न केवल विकसित देशों बल्कि विकासशील देशों को भी प्रभावित करने में सफल रहा है। यूक्रेन एवं रूस युद्ध के समय केवल भारत ही दोनों देशों के साथ चर्चा कर पाता है एवं युद्ध को समाप्त करने का आग्रह दोनों देशों को कर पाता है। इसी प्रकार, इजराईल एवं हमास युद्ध के समय भी भारत दोनों देशों के साथ युद्ध समाप्त करने की चर्चा करने में अपने आप को सहज एवं सक्षम पाता है। आपस में युद्ध करने वाले दोनों देश भारत की सलाह को गम्भीरता से सुनते नजर आते हैं। भारत ने कभी भी विभिन्न देशों के आंतरिक स्थितियों पर अपनी विपरीत राय व्यक्त नहीं की है और न ही कभी उनके आंतरिक मामलों में कभी हस्तक्षेप किया है। इस दृष्टि से वैश्विक पटल पर भारत की यह विशिष्ट पहचान एवं स्थिति है।

दक्षिण एशिया के देशों में चीन अपना प्रभाव बढ़ाने का प्रयास कर रहा है इसलिए भारत का पूरा ध्यान इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम कर अपने प्रभाव को बढ़ाना है। इसी मुख्य कारण से शायद भारत दक्षिण एशिया के देशों पर अधिक ध्यान देता दिखाई दे रहा है। जिसका आशय उक्त प्रतिवेदन में यह लिया गया है कि विश्व के अन्य देशों को सहायता करने की भारत की क्षमता तो अधिक है परंतु अभी उसका उपयोग भारत नहीं कर पा रहा है। हिंद महासागर पर भारत का ध्यान अधिक है और क्वाड के सदस्य देश मिलकर भारत की इस दृष्टि से सहायता भी कर रहे हैं। दक्षिण एशियाई देशों के अलावा विश्व के अन्य देशों की मदद करने के संदर्भ में भारत ने हालांकि अभी हाल ही के समय में बढ़त तो बनाई है परंतु अभी और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। भारत में आगे बढ़ने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं।

उक्त प्रतिवेदन में भारत को एशिया को तीसरा सबसे बड़ा ताकतवर देश बताया गया है परंतु वस्तुतः भारत अब एशिया का ही नहीं बल्कि विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ताकतवर देश बन गया है क्योंकि इस सूची में एशिया के बाहर से अमेरिका को भी एशिया में पहिले स्थान पर बताया गया है। एक अन्य अमेरिकी थिंक टैंक का आंकलन है कि भारत यदि इसी रफ्तार से आगे बढ़ता रहा तो इस शताब्दी के अंत तक भारत, चीन एवं अमेरिका को भी पीछे छोड़कर विश्व का सबसे अधिक शक्तिशाली देश बन जाएगा।

– :सौजन्य :–
ईवी ड्राइव द फ्यूचर
EV Drive the Future

गोवा ईवी सब्सिडी योजना में हो रही देरी : रिपोर्ट

परिवहन विशेष न्यूज

द गोअन एवरीडे की रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय संकट के कारण गोवा सरकार द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों पर दी जाने वाली सब्सिडी में देरी हुई है। यह सब्सिडी दोपहिया, तिपहिया और चार पहिया वाहन खरीदने वालों पर लागू थी।

सब्सिडी के प्रावधान में देरी की वजह वित्त विभाग द्वारा फंड जारी न किया जाना है। करीब 20 आवेदन पिछले तीन महीने से अकाउंट विभाग के पास लंबित हैं। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री सुदीन धवलीकर ने भी इसकी पुष्टि की है। आवेदनों के मंजूर होने के बाद सब्सिडी जारी कर दी जाएगी।

गोवा सरकार ने इस साल फरवरी में ईवी सब्सिडी योजना को फिर से शुरू किया, जिसके तहत 8,000 से 1 लाख रुपये तक का लाभ दिया गया। यह सब्सिडी ईवी रेट्रोफिटर्स के साथ-साथ उन खरीदारों को भी दी जानी थी जो अपने पुराने आंतरिक दहन इंजन (ICE) वाहनों को स्क्रैप और डी-रजिस्टर कर रहे थे और नए ईवी खरीद रहे थे। 5,600 ईवी तक सीमित, यह सहायता 1 अगस्त, 2022 और 31 दिसंबर, 2024 के बीच खरीदे गए वाहनों तक बढ़ाई जानी थी।

सूत्रों के अनुसार इस योजना के तहत नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के पास करीब 1,300 आवेदन आए हैं। इनमें से अधिकांश आवेदन उन खरीदारों के हैं, जिन्होंने 31 जुलाई, 2022 के बाद वाहन खरीदे हैं, जब पिछली सब्सिडी योजना बंद कर दी गई थी। नई योजना के लिए राज्य के बजट में 25 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

सूत्रों ने बताया, ₹पहले चरण में हम पुराने आवेदनों को मंजूरी दे रहे हैं। कई लाभार्थियों को मई-जून में ही उनके हिस्से का भुगतान मिल गया था; हालांकि, उसके बाद लेखा विभाग को भेजे गए आवेदनों को मंजूरी नहीं मिल पाई है, क्योंकि वित्त विभाग ने उन्हें हरी झंडी नहीं दी है।"

इस अधिसूचना से पहले वाहन खरीदने वाले लाभार्थियों को अधिसूचना के 90 दिनों के भीतर ऑनलाइन आवेदन जमा करना था। सब्सिडी की घोषणा के बाद नए वाहन खरीदने वालों को खरीद की तारीख से 120 दिनों के भीतर आवेदन दाखिल करना था।

दोपहिया वाहन खरीदने वालों को 8,000-15,000 रुपये और तिपहिया वाहन खरीदने वालों को 8,000-60,000 रुपये की सब्सिडी मिलेगी। वहीं, चार पहिया वाहन खरीदने वालों को 8,000-1 लाख रुपये तक का लाभ मिलेगा

बर्नस्टीन की रिपोर्ट का दावा, भारत में ईवी उद्योग प्रोत्साहन के बिना नहीं प्रासंगिक

परिवहन विशेष न्यूज

वाहन निर्माताओं के लिए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर बढ़ना आसान नहीं होने वाला है, क्योंकि इलेक्ट्रिक वाहनों के सेगमेंट में लाभदायक मार्जिन उत्पन्न करना और बड़े पैमाने पर बिक्री हासिल करना मुश्किल है। यह दावा बर्नस्टीन की एक शोध रिपोर्ट में किया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्तीय प्रोत्साहन पर्याप्त होने पर भी ईवी स्पेस में पर्याप्त मार्जिन उत्पन्न करना और बिक्री बढ़ाना मुश्किल है। इसमें कहा गया है कि कई पारंपरिक वाहन निर्माता घाटे का सामना कर रहे हैं और केवल कुछ ही लंबे समय तक प्रतिस्पर्धी बने रहने की उम्मीद कर रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, ₹ईवी में पर्याप्त मार्जिन उत्पन्न करना और पैमाने हासिल करना मुश्किल है। भारी प्रोत्साहन के बावजूद, मौजूदा ओईएम अभी भी लाभ के बिना हैं।₹ इसमें कहा गया है, ₹ईवी उद्योग इस समय प्रोत्साहन के बिना प्रासंगिक नहीं है और आईसीई (आंतरिक दहन इंजन) क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए इसे गहन ध्यान, पैमाने और निरंतर लागत में कमी की आवश्यकता है।"

रिपोर्ट ने सुझाव दिया कि जबकि कुछ स्टार्टअप बच सकते हैं, उनकी दीर्घकालिक बाजार हिस्सेदारी सीमित रहने की संभावना है। इसने कहा कि इसके बजाय ईवी स्पेस में प्रतिस्पर्धा मुख्य रूप से स्थापित ओईएम के बीच होगी।

बर्नस्टीन के अनुसार भारत के प्रमुख

दोपहिया वाहन निर्माताओं में बजाज ऑटो और टीवीएस मोटर्स ईवी स्पेस में बराबरी पर हैं, जबकि हीरो मोटोकॉर्प पीछे है। आयशर मोटर्स जो जल्द ही अपने इलेक्ट्रिक वाहन लॉन्च करने की उम्मीद कर रही है, का प्रदर्शन कम और बाजार में कम प्रासंगिक होने का अनुमान है। बर्नस्टीन ने बजाज ऑटो को इसके कम मूल्यांकन के कारण ₹आउट परफॉर्म₹ रेटिंग दी है। जबकि टीवीएस, हीरो और आयशर को ₹मार्केट परफॉर्म₹ रेटिंग दी गई है।

दूसरी ओर सब्सिडी के बिना लगभग 7 प्रतिशत का सकल लाभ मार्जिन अर्जित करने के बावजूद, टीवीएस को EBITDA (लगभग 11,000 रुपये प्रति वाहन) में लगभग 7.5 प्रतिशत का नुकसान होने का अनुमान है।

बजाज ऑटो को कथित तौर पर 10.5 प्रतिशत (लगभग 15,000 रुपये प्रति वाहन) के उच्च EBITDA नुकसान का सामना करना पड़ रहा है और सब्सिडी के बिना सकल लाभ स्तर पर भी नुकसान हो रहा है।

बर्नस्टीन की रिपोर्ट में कहा गया है, ₹हमारे विश्लेषण से पता चलता है कि ओला-ई अपने प्रीमियम मॉडल जैसे कि एस1 प्रो और एस1 एयर से सकारात्मक परिचालन EBITDA उत्पन्न कर रही है, जबकि अपने मास-मार्केट मॉडल, एस1एक्स पर नुकसान उठा रही है।"

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में कुल ईवी दोपहिया उद्योग सालाना लगभग 1.3 बिलियन अमरीकी डॉलर का राजस्व उत्पन्न करता है, लेकिन प्रोत्साहन के बिना इसे 300-400 मिलियन अमरीकी डॉलर के अनुमानित EBIT नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

जीएसटी से मिलने वाले अतिरिक्त लाभों ने इलेक्ट्रिक और आंतरिक दहन इंजन वाहनों के बीच कीमत के अंतर को कम करने में मदद की। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि वर्तमान परिदृश्य में ईवी उद्योग सरकारी प्रोत्साहनों और सब्सिडी पर अत्यधिक निर्भर है। प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए ईवी उद्योग को पारंपरिक आंतरिक दहन इंजन बाज़ार में जगह बनाने के लिए निरंतर ध्यान, बड़े पैमाने पर संचालन और महत्वपूर्ण लागत में कमी की आवश्यकता है।

रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि केवल प्रमुख स्टार्टअप ही मुख्यधारा में प्रवेश करने की संभावना रखते हैं, जबकि पारंपरिक ओईएम ईवी स्पेस में बाजार हिस्सेदारी के लिए प्रतिस्पर्धा करना जारी रखेंगे।

टाटा मोटर्स ने वाणिज्यिक वाहन वित्तपोषण के लिए ईएसएएफ लघु वित्त बैंक के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

परिवहन विशेष न्यूज

भारत की अग्रणी वाणिज्यिक वाहन निर्माता, टाटा मोटर्स ने अपने ग्राहकों को बेहतर और किफायती फाइनेंसिंग विकल्प देने के लिए ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ एक समझौता (एमओयू) किया है। इस साझेदारी के तहत पहले छोटे और हल्के वाणिज्यिक वाहनों (SCV और LCV) के लिए फाइनेंसिंग उपलब्ध कराई जाएगी और बाद में यह सुविधा टाटा मोटर्स के पूरे कमर्शियल वाहन पोर्टफोलियो पर लागू होगी।

टाटा मोटर्स के एससीवी एंड पीयू के वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेडविनय पाठक ने कहा, "ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ हमारी साझेदारी से हमारे ग्राहकों, खासकर दूरदराज के इलाकों में रहने वालें लोगों को आसान फाइनेंसिंग विकल्प मिलेंगे। यह सहयोग हमारे ग्राहकों को उनकी ज़रूरतों के अनुसार बेहतर समाधान देकर उनके बिजनेस को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। साथ ही इससे शुरुआती और अंतिम उपभोक्ताओं तक सामान पहुंचाने के क्षेत्र में उद्यमिता और रोजगार बढ़ाने के हमारे प्रयासों को भी मजबूती मिलेगी।"

ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक के वाइस प्रेसिडेंट हेमंत कुमार टम्टा ने साझेदारी पर कहा, "हमें टाटा मोटर्स के साथ इस साझेदारी से खुशी है, क्योंकि यह हमारे ग्राहकों को उनकी जरूरतों के अनुसार फाइनेंसिंग समाधान प्रदान करेगी। यह सहयोग उद्यमियों को सशक्त बनाने के हमारे साझा लक्ष्य के अनुरूप है। हमारे व्यापक नेटवर्क और वित्तीय समावेशन के अनुभव के साथ, हमें यकीन है कि यह साझेदारी वाणिज्यिक वाहन व्यवसायों की ग्रोथ में मदद करेगी और उनकी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करेगी।"

टाटा मोटर्स लॉजिस्टिक्स और मास मोबिलिटी की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए छोटे वाणिज्यिक वाहनों और पिकअप, ट्रकों और बसों के सेगमेंट में 1-टन से 55-टन तक के कार्गो वाहनों और 10-सीटर से 51-सीटर मास मोबिलिटी सॉल्यूशंस की व्यापक रेंज प्रदान करता है। कंपनी प्रशिक्षित विशेषज्ञों द्वारा संचालित और टाटा जेनुइन पार्ट्स तक आसान पहुंच के साथ 2500 से अधिक संपर्क केंद्रों के अपने व्यापक नेटवर्क के माध्यम से बेहतर गुणवत्ता और सर्विस को डिलीवर करती है।

जामठा क्लोवर लीफ में 'ऑक्सीजन बर्ड पार्क' का भूमिपूजन करेंगे नितिन गडकरी जी

परिवहन विशेष न्यूज

हरित विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए और विविध पक्षी प्रजातियों के लिए एक समृद्ध आवास की संकल्पना को प्रत्यक्ष रूप देते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जी के प्रयासों और प्रेरणा से राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के नागपुर-हैदराबाद सेक्शन पर जामठा क्लोवर लीफ में 'ऑक्सीजन बर्ड पार्क' की पहल की जा रही है।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के नेतृत्व में प्रस्तावित यह परियोजना लगभग 8 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करती है। पार्क का उद्देश्य न केवल ऑक्सीजन-उत्पादक क्षेत्र के रूप में बल्कि विविध पक्षी प्रजातियों के लिए एक समृद्ध आवास के रूप में भी काम करना है। लगभग 14 करोड़ के निवेश से तैयार हो रहे इस पार्क को ऑक्सीजन उत्पादन में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए सोच-समझकर डिज़ाइन किया गया है।

शनिवार, 28 सितंबर 2024 को श्री नितिन गडकरी जी जामठा क्लोवर लीफ में इस पार्क का भूमिपूजन करेंगे।

Jio-BP ने लॉन्च किया 500वां ईवी-चार्जिंग स्टेशन, चार्जिंग पॉइंट्स हुए पांच हजार

Jio-BP पल्स के ईवी-चार्जिंग स्टेशन की संख्या 500 तक पहुंच गई है। 500वां ईवी-चार्जिंग स्टेशन मुंबई के बीकेसी स्थित जियो वर्ल्ड सेंटर (JWC) में लगाया गया है। इसके साथ ही अब इनके चार्जिंग पॉइंट्स की संख्या 5000 पहुंच गई है। एक साल के अंदर Jio-BP पल्स ने 3700 चार्जिंग स्टेशन पूरे भारत में लगाए हैं। इन्हें मॉल सार्वजनिक पार्किंग कॉर्पोरेट पार्क होटल के आस-पास लगाए गए हैं।

नई दिल्ली। अनंत अंबानी और मरे औचिनक्लॉस ने मुंबई के बीकेसी स्थित जियो वर्ल्ड सेंटर (JWC) में Jio-BP पल्स के 500वें ईवी-चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया। इस चार्जिंग स्टेशन के खुलने के बाद भारत में अब Jio-BP चार्जिंग पॉइंट 5,000 हो गए हैं। Jio-BP रिलायंस और बीपी के बीच फ्यूल और मोबिलिटी के लिए जॉइंट वेंचर है। इस चार्जिंग स्टेशन के ओपन होने के बाद मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र, जियो वर्ल्ड प्लाजा और जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर पहुंचने वाले लोग आसानी से अपनी इलेक्ट्रिक व्हीकल को चार्ज कर पाएंगे।

अनंत अंबानी ने कही ये बात : 500वां ईवी-चार्जिंग स्टेशन के लॉन्चिंग के दौरान अनंत अंबानी ने कहा कि भारत में EV अपनाने में तेजी लाने में Jio-BP लीडिंग रोल निभा रहा है। फास्ट-चार्जिंग स्टेशनों के सबसे बड़े नेटवर्क शेयर, EV-चार्जिंग इंफ्रा में सबसे तेज बढ़ोतरी और उच्चतम विश्वसनीयता के साथ, Jio-BP लाखों भारतीयों को डिजिटल चार्जिंग सॉल्युशन दे रहा है।

श्रीराम फाइनेंस ने दोपहिया वाहन ऋण वाउचर अभियान किया शुरू

परिवहन विशेष न्यूज

श्रीराम समूह की प्रमुख कंपनी श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड ने इस त्योहारी सीजन में अपने सपनों का दोपहिया वाहन खरीदने के इच्छुक ग्राहकों के लिए अपने अभिनव और सुविधाजनक दोपहिया वाहन ऋण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अपने "दोपहिया वाहन ऋण पात्रता वाउचर अभियान" के शुभारंभ की घोषणा की है।

इस पहल के बारे में बोलते हुए श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक - विपणन, सुश्री एलिजाबेथ वेंकटरमन ने कहा, ₹त्योहारों का मौसम आते ही, देश भर में लोग अपने उत्सव को और भी खास बनाने के लिए नए दोपहिया वाहन घर लाने के लिए उत्साहित हैं। हमारा लोन पात्रता वाउचर ग्राहकों को तुरंत ऑनलाइन अपनी लोन पात्रता की जांच करने की अनुमति देकर सशक्त बनाता है, जिससे उन्हें अपने पसंदीदा दोपहिया वाहन का चयन करते समय सूचित निर्णय लेने में मदद मिलती है। इस वाउचर को फिर दोपहिया डीलरशिप पर प्रस्तुत किया जा सकता है, जिससे लोन स्वीकृति प्रक्रिया सरल हो जाती है और यह तेज़ और अधिक सुविधाजनक हो जाती है।"

श्रीराम फाइनेंस एक बहुभाषी डिजिटल अभियान और दोपहिया एक्सचेंज एवं ऋण मेलों सहित एक ऑन-ग्राउंड अभियान शुरू कर रहा है, ताकि तमिलनाडु, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और पंजाब जैसे 12 राज्यों में अभियान को आगे बढ़ाया जा सके।

श्रीराम फाइनेंस टू-व्हीलर लोन पात्रता वाउचर लोन स्वीकृति प्रक्रिया को सरल बनाता है, जिससे ग्राहकों को उनकी लोन पात्रता राशि तक तुरंत पहुँच मिलती है। shriramfinance.in या श्रीराम वन ऐप पर बस बुनियादी विवरण भरकर, ग्राहकों को लोन के पूरे विवरण के साथ एक वाउचर मिलता है, जिसे वे आगे की लोन प्रक्रिया के लिए डीलरशिप पर प्रस्तुत कर सकते हैं। लोन स्वीकृति में सिर्फ़ 10 मिनट लगते हैं, और लोन 24 घंटे* के भीतर वितरित हो जाता है।

इस अभियान को बढ़ाने और बढ़ावा देने के लिए, श्रीराम फाइनेंस डिजिटल अभियान के अलावा, हीरो, सुजुकी, टीवीएस, रॉयल एनफील्ड जैसे ओईएम भागीदारों के साथ तमिलनाडु, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, राजस्थान और पंजाब में ऑन-ग्राउंड एक्सचेंज लोन मेला भी शुरू कर रहा है, साथ ही सोशल मीडिया पर एक प्रभावशाली अभियान भी चला रहा है।

किआ और हुंडई मोटर ने शुरू की ईवी बैटरी विकास के लिए संयुक्त तकनीकी परियोजना

परिवहन विशेष न्यूज

आईएएनएस न्यूज एजेंसी से मिली खबर के मुताबिक दक्षिण कोरिया की प्रमुख ऑटोमोटिव कंपनियों हुंडई मोटर और किआ ने गुरुवार, 26 सितंबर को कहा कि उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लिथियम आयरन फॉस्फेट बैटरी बनाने के लिए कैथोड सामग्री प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए एक संयुक्त परियोजना शुरू की है।

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार संयुक्त परियोजना, जिसमें हुंडई स्टील कंपनी और इकोप्रो बीएम भी शामिल है, का उद्देश्य LFP बैटरी कैथोड के निर्माण के दौरान प्रीकर्सर का उपयोग किए बिना सीधे सामग्री को संश्लेषित करने की तकनीक विकसित करना है।

हुंडई मोटर और किआ, हुंडई स्टील के सहयोग से, पुनर्नवीनीकृत स्टील का उपयोग करके उच्च शुद्धता वाले महीन लौह चूर्ण प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी विकसित करने की योजना बना रहे हैं। इकोप्रो बीएम इसका उपयोग सीधे संश्लेषित LFP कैथोड सामग्री विकसित करने के लिए करेगी।

ऑटोमेकर्स ने कहा कि व्यापार, उद्योग और ऊर्जा मंत्रालय द्वारा समर्थित यह परियोजना चार साल तक चलेगी। कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भविष्य के सहयोग पर चर्चा करने के लिए बुधवार को एक बैठक की।

यदि परियोजना सफल साबित होती है, तो LFP बैटरी उत्पादन अधिक लागत प्रतिस्पर्धी हो सकता है, क्योंकि वर्तमान में अधिकांश कैथोड प्रीकर्सर कुछ विशिष्ट देशों में उत्पादित होते हैं, जिससे उच्च आयात निर्भरता होती है।

कंपनियों ने कहा कि यह परियोजना संभावित रूप से एलएफपी बैटरियों के लिए कच्चे माल की एक स्थिर घरेलू आपूर्ति श्रृंखला की स्थापना को सक्षम कर सकती है, जिससे आयात पर निर्भरता कम होगी और देश के लिए आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा बढ़ेगी। वाहन निर्माताओं ने कहा,

"इस परियोजना के माध्यम से, हम विदेशी आयात पर निर्भरता कम करने और आवश्यक प्रौद्योगिकियों को आंतरिक बनाने की उम्मीद करते हैं, जिससे देश और हुंडई मोटर समूह दोनों की तकनीकी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी।"

इस बीच, उद्योग के अनुमानों से पता चलता है कि हुंडई मोटर की संचयी बिक्री मात्रा इस महीने 100 मिलियन यूनिट के आंकड़े को पार कर सकती है।

कंपनी के आंकड़ों के अनुसार, 1968 से जुलाई के अंत तक हुंडई मोटर की संचयी कार बिक्री कुल 99.66 मिलियन यूनिट थी। इसमें घरेलू स्तर पर बेची गई 24.36 मिलियन यूनिट और विदेशों में बेची गई 75.3 मिलियन यूनिट शामिल हैं।

संचयी बिक्री में 100 मिलियन यूनिट हासिल करना दक्षिण कोरियाई वाहन निर्माता के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी, जिसे कंपनी द्वारा कॉर्टिना कॉम्पैक्ट सेडान की बिक्री शुरू करने के 56 साल बाद हासिल किया गया था, जिसका पहली बार उत्पादन 1968 में हुंडई के उल्सान प्लांट में किया गया था।

पुलिस, कानून प्रवर्तन और जांच सेवाओं में कैरियर के अवसर

विजय गर्ग

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सभ्य समाज, जिसे हम समाज कहते हैं, आज समाज में पहले से कहीं अधिक असभ्य या बुरे तत्व पैदा कर रहा है। इसके पीछे जो भी कारण हो - बेरोजगारी, कम समय में अधिक पाने की लालसा, गलाकाट प्रतिस्पर्धा, या कोई अन्य - यह तथ्य है कि दुनिया भर में समाज अतीत में किसी भी अन्य समय की तुलना में अधिक असामाजिक गतिविधियों का सामना कर रहा है। . ये गतिविधियां हर गुजरते दिन के साथ बढ़ती जा रही हैं और अगर अभी भी इन पर अंकुश नहीं लगाया गया तो यह हमेशा के लिए एक लाइलाज बीमारी बन जाएगी। इन तथ्यों को जानने के बाद संबंधित देशों की सरकारों को प्रशिक्षित युवाओं की आवश्यकता है, जिन्हें कानून प्रवर्तन और पुलिस सेवाओं में शामिल किया जा सके, जिससे युवा ऊर्जावान युवाओं के लिए पुलिस/कानून प्रवर्तन सेवाओं में अपना करियर बनाने का दायरा बढ़ सके। किसी की स्वतंत्रता को नुकसान पहुंचाए बिना समाज के भीतर असामाजिक तत्वों को दंडित करने के लिए सरकार ने विभिन्न प्रकार की असामाजिक गतिविधियों को अत्यधिक प्रभावशीलता और व्यावसायिकता के साथ संभालने के लिए कई पुलिस, कानून प्रवर्तन और जांच सेवाएं स्थापित की हैं। युवा पीढ़ी के लिए करियर की संभावनाओं के साथ उनमें से कुछ का अवलोकन यहां नीचे दिया गया है। भारत की कुछ महत्वपूर्ण पुलिस और कानून प्रवर्तन एजेंसियां हैं:- भारत में खुफिया एजेंसियां:- केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) और अनुसंधान एवं विश्लेषण विंग (रॉ) भारत में पुलिस सेवाएँ:- भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) राज्य पुलिस सेवा (एसपीएस) केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) अन्य कानून प्रवर्तन विभाग उत्पाद शुल्क और कराधान प्रथाएँ केंद्रीय सतर्कता आयोग आदि। युवा उम्मीदवार इनमें से किसी भी सेवा में विभिन्न पदों पर शामिल हो सकते हैं, जैसे कि सीबीआई अधिकारी, जो खुफिया विश्लेषकों, भाषा विशेषज्ञों जैसे सहायक कर्मियों की मदद से देश को असामाजिक तत्वों के खतरों से बचाने और कानून का उल्लंघन करने वालों को न्याय दिलाने के लिए अपनी बुद्धि का उपयोग करते हैं।, वैज्ञानिक, सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ और अन्य पेशेवर अपने मिशन को पूरा करने के लिए। ये अधिकारी सीबीआई के किसी भी विशेष विभाग जैसे भ्रष्टाचार निरोधक प्रभाग में शामिल हो सकते हैं, जो सभी केंद्रीय सरकार के लोक सेवकों द्वारा किए गए भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के मामलों से निपटता है। विभाग, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और केंद्रीय वित्तीय संस्थान। आर्थिक अपराध प्रभाग बैंक धोखाधड़ी, वित्तीय धोखाधड़ी, आयात निर्यात और विदेशी मुद्रा उल्लंघन, नशीले पदार्थों, प्राचीन वस्तुओं, सांस्कृतिक संपत्ति की बड़े पैमाने पर तस्करी और अन्य वर्जित वस्तुओं की तस्करी आदि सहित मामलों से निपटता है। विशेष अपराध प्रभाग आतंकवाद के मामलों से निपटता है। बम विस्फोट, सनसनीखेज हत्याएं, फिरौती के लिए अपहरण, और माफिया/अंडरवर्ल्ड द्वारा किए गए अपराध। सीबीआई अधिकारियों की तरह आईबी के अधिकारी भारत के भीतर से खुफिया जानकारी इकट्ठा करने और काउंटर-इंटेलिजेंस और आतंकवाद विरोधी कार्यों (इंटेलिजेंस ब्यूरो) को अंजाम देने के लिए जिम्मेदार हैं, जबकि एक अन्य खुफिया एजेंसी रॉ (रिसर्च एंड एनालिसिस विंग) के अधिकारियों का कर्तव्य एकत्र करना है। बाहरी ख़ुफ़िया जानकारी, आतंकवाद-विरोधी और गुप्त अभियान। इसके अलावा, यह भारतीय विदेशी नीति निर्माताओं को सलाह देने के लिए विदेशी सरकारों, निगमों और व्यक्तियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने और उनका विश्लेषण करने के लिए जिम्मेदार है। रॉ द्वारा एकत्र की गई जानकारी का उपयोग देश में कई जांच संगठनों जैसे कि सीबीआई द्वारा भी किया जाता है। में उच्च स्तरीय अधिकारीइन विशेष सेवाओं में असाधारण क्षमता वाले आईपीएस अधिकारियों की भर्ती की जाती है और कुछ

निचले रैंक के अधिकारियों की भी इन एजेंसियों द्वारा सीधी भर्ती द्वारा भर्ती की जाती है। राज्य और केंद्रीय पुलिस सेवाओं में पुलिस पदानुक्रम में सभी स्तरों पर पुलिस अधिकारी अपराध को कम करने और केंद्रीय, राज्य और स्थानीय कानूनों को लागू करने के लिए जनता के साथ साझेदारी में काम करते हैं। बढ़ते अपराध और अधिक सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज पुलिस सेवाओं की बढ़ती मांग में योगदान दे रहे हैं, जबकि उदार वेतन और लाभ अधिक लोगों को इस पेशे की ओर आकर्षित कर रहे हैं। पुलिस संगठनों में, पुलिस अधिकारी जासूस (सीआईडी अधिकारी) के रूप में काम कर सकते हैं। उनकी मुख्य भूमिका गंभीर अपराधों की जांच करना और खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करना है, जिससे लगातार अपराधियों की गिरफ्तारी और मुकदमा चलाया जा सके। इस भूमिका के लिए चुने जाने के बाद डॉग हैंडलर एक कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया से गुजरते हैं और गहन प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। प्रशिक्षित कुत्तों का उपयोग विस्फोटकों, हथियारों और दवाओं की खोज के लिए किया जाता है। इसके अलावा, वे लापता, खोए हुए या घायल लोगों की तलाश करते हैं, लोगों की रक्षा करते हैं और अपराधियों की धरपकड़ करते हैं और उन्हें हिरासत में लेते हैं। इन अधिकारियों को यह जानने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है कि कुत्ते की देखभाल कैसे की जाए, उनमें टीम वर्क, आत्मविश्वास और कुत्तों के साथ काम करने में रुचि हो, और उनके पास बहुत अच्छे संचार कौशल होने चाहिए। पुलिस में डॉग हैंडलर की नौकरी की बहुत आवश्यकता होती है और इसके लिए रिक्तियां नियमित रूप से अपडेट की जाती हैं। पुलिस में आग्नेयास्त्र विशेषज्ञ (शार्प शूटर) के रूप में करियर भी बहुत मांग वाला होता जा रहा है और अधिकारी को दूसरों को बचाने के दौरान अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ती है। आर्थिक अपराध विशेषज्ञ कंपनी के व्यवसाय धोखाधड़ी, प्रमुख धोखे और भ्रष्टाचार के आरोपों से निपटते हैं, और धोखाधड़ी की जांच से संबंधित विभिन्न मामलों पर क्षेत्र के जासूसों को सहायता और मार्गदर्शन भी प्रदान करते हैं। विशेष जांच अधिकारी की नौकरियां मुख्य रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा की सुरक्षा के लिए खुफिया जानकारी हासिल करने के लिए होती हैं, विशेष रूप से आतंकवाद, जासूसी, तोड़फोड़, सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार और राजनीतिक, औद्योगिक या हिंसक तरीकों से लोकतंत्र को उखाड़ फेंकने के इरादे से की जाने वाली कार्रवाइयों से सुरक्षा। बढ़ती जनसंख्या और सड़क पर बहुत अधिक वाहनों के कारण यातायात का उचित प्रबंधन महत्वपूर्ण होता जा रहा है। ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी इस पर लगातार नजर रखते हैं. वे तेज़ गति और नशे में गाड़ी चलाने से संबंधित कानूनों सहित यातायात कानूनों को लागू करके सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। पदानुक्रम के अनुसार राजपत्रित और अराजपत्रित पुलिस अधिकारियों के कुछ पदनाम इस प्रकार हैं: - राजपत्रित पुलिस अधिकारी पुलिस आयुक्त विशेष पुलिस आयुक्त संयुक्त पुलिस आयुक्त अतिरिक्त पुलिस आयुक्त वरिष्ठ सहायक पुलिस आयुक्त सहायक पुलिस आयुक्त पुलिस उपायुक्त अराजपत्रित पुलिस अधिकारी पुलिस निरीक्षक पुलिस उपनिरीक्षक सहायक पुलिस उपनिरीक्षक वरिष्ठ पुलिस कांस्टेबल पुलिस कांस्टेबल पुलिस हेड कांस्टेबल फोरेंसिक वैज्ञानिक साक्ष्यों को संरक्षित करने और उनकी जांच करने तथा नागरिक और आपराधिक कार्यवाही के संबंध में खोजी सुराग विकसित करने के लिए अत्याधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग करते हैं। अक्सर, फोरेंसिक विश्लेषक डीएनए विश्लेषण या बन्दूक परीक्षण जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञ होते हैं। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी के विकास से अदालत कक्ष में फोरेंसिक विज्ञान की भूमिका बढ़ती जाएगी, फोरेंसिक वैज्ञानिकों की मांग बढ़ती रहेगी। सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क अधिकारी आतंकवादियों और आतंकवादी हथियारों को देश में प्रवेश करने से रोकने के पूर्व मिशन के साथ सीमा शुल्क/उत्पाद शुल्क विभाग के लिए काम करते हैं।. सीमा शुल्क अधिकारी सुचारू अंतर्राष्ट्रीय/अंतरराज्यीय व्यापार, आयात/उत्पाद शुल्क एकत्र करने और भारतीय/राज्य व्यापार कानूनों को लागू करने के लिए भी जिम्मेदार हैं। ये अधिकारी देश की सीमाओं का नियंत्रण और सुरक्षा करते हैं और उन्हें देश के आसपास और अंदर कई स्थानों पर कई रिक्तियों के लिए सक्रिय रूप से भर्ती किया जा रहा है। इन सेवाओं में करियर के लिए वास्तव में कठिन परिस्थितियों के दौरान मजबूत आत्म-अनुशासन, शारीरिक फिटनेस और आत्म-नियंत्रण की आवश्यकता होती है। विशेष रूप से अपराध के कारण जीवन की गुणवत्ता पर बढ़ती चिंताओं ने एक मजबूत वैश्विक अर्थव्यवस्था में सरकारी राजस्व में वृद्धि की है, और योग्य उम्मीदवारों की कमी ने भारत में पुलिस नौकरियों और दुनिया भर में अन्य कानून प्रवर्तन उम्मीदवारों की मांग में योगदान दिया है। अधिक सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज और नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों के बारे में बढ़ती चिंता भी भारत और दुनिया भर में पुलिस नौकरियों की बढ़ती मांग में योगदान करती है। इसने भारतीय युवा तुर्कों के लिए अवसरों की बाढ़ ला दी है, जो विभिन्न कानून प्रवर्तन और संबद्ध सेवाओं में पुलिस अधिकारियों के रूप में एक सफल करियर की आशा रखते हैं, युवा और उभरते अभ्यर्थी बिना किसी लिंग बाधा के विभिन्न पात्रता परीक्षा पास करके इन शक्तिशाली नौकरियों में शामिल हो सकते हैं। जैसे विभिन्न राज्य और केंद्र सरकार की भर्ती एजेंसियों द्वारा लिया जाता है। यूपीएससी, राज्य पुलिस सेवा, एसएससी स्नातक और लिपिक स्तर की परीक्षा। आदि उनमें से कुछ के नाम बताने के लिए।

राय

करो योग, रहो निरोग

आज भागती दौड़ती दिनचर्या में समय का बहुत अभाव है। ऐसे में हमारे शरीर की फिटनेस के लिए योग जैसा कार्यक्रम चाहिए जो कम समय में बिना कोई धन खर्च किए आसानी से उपलब्ध हो। प्रौद्योगिकी में उन्नति के कारण शहर तो शहर, ग्रामीण परिवेश में भी दैनिक जीवन की भौतिक सुख-सुविधाओं का विकास तो हुआ है, मगर इस सबसे मानव फिटनेस में काफी कमी आई है। हमारा पैदल चलना अब बहुत कम हो गया है। रक्त वाहन करने वाली शिराओं के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है जो उन्हें ठीक रख सके। इसलिए अच्छे फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत भी महसूस हो रही है। स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। बिना अच्छे स्वास्थ्य के धन दौलत, पद प्रतिष्ठा व अन्य भौतिक सुख-सुविधाएं सब बेमानी लगती हैं। लोगों का स्वास्थ्य उत्तम हो, इस सबके लिए इस कॉलम के माध्यम से बार-बार योग के बारे में जानकारी देकर योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है। योग हर उम्र के लोग आसानी से थोड़ी सी जगह में भी कर सकते हैं। दौड़ती-भागती जीवन शैली के कारण मनुष्य के पास अपने स्वास्थ्य के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है जो उनके स्वास्थ्य को सुधार कर व्यवस्थित रख सके।

आज मानव ने विज्ञान में नए-नए शोध कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा क्षेत्र में इतनी प्रगति कर ली है कि इसके कारण जीवन काफी आसान तो हो गया है, मगर शारीरिक श्रम जो पहले यूं ही दिनचर्या में आसानी से हो जाता था, अब उसके लिए आज अलग से फिटनेस कार्यक्रम चाहिए होता है। समय बचाती दुनिया के लिए योग मुख्य विकल्प है जो कम श्रम कर अधिक फिटनेस दे सकता है। इसलिए अब आम जनमानस के लिए योग के बारे में जानना जरूरी हो जाता है। सैकड़ों वर्ष पूर्व महर्षि पतंजलि ने योग को लिखित रूप में संग्रहित किया और योग सूत्र की रचना की। योग सूत्र की रचना के कारण पतंजलि को योग का जनक कहा जाता है। इस योग के महान ग्रंथ में योग के बारे में कहा गया है कि मन की वृत्तियों में नियंत्रण करना ही योग है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि, यह अष्टांग योग के आठ सूत्र हैं। आठों अंगों में प्रथम दो यम व नियम को नैतिक अनुशासन, आसन, प्राणायाम व प्रत्याहार को शारीरिक अनुशासन व धारणा, ध्यान, समाधि को मानसिक अनुशासन बताया गया है। योग हमें यम एवं नियम द्वारा व्यक्ति के मन और मस्तिष्क को ठीक करने की सलाह देता है। आसन और प्राणायाम करने से पूर्व यदि व्यक्ति यम एवं नियमों का पालन नहीं करता है तो उसे योग से पूर्ण स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल सकता है। यम और नियम की विस्तार से चर्चा जरूरी है। संयम मन, वचन और कर्म से होना चाहिए। इसका पालन न करने से व्यक्ति का जीवन व समाज दोनों दुष्प्रभावित होते हैं। इससे मन मजबूत और पवित्र होता है तथा मानसिक शक्ति बढ़ती है। सत्य, अहिंसा, असतेय, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह, यह नियम व्यक्तिगत नैतिकता के हैं। मनुष्य को कर्तव्य परायण बनाने तथा जीवन को सुव्यवस्थित करने हेतु पांच नियमों का विधान किया गया है ।

ये नियम हैं शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय व ईश्वर प्राणिधान। यम यानी मन, वचन एवं कर्म से सत्य का पालन व मिथ्या का त्याग। जिस रूप में देखा, सुना एवं अनुभव किया हो, उसी रूप में उसे बतलाना सत्य है। अहिंसा दूसरा सूत्र है। इसमें किसी को मारना ही केवल हिंसा का रूप नहीं है, बल्कि किसी भी प्राणी को कभी भी किसी प्रकार का दुख न पहुंचाना अहिंसा है। असतेय अर्थात चोरी न करना। छल से, धोखे से, झूठ बोलकर, बेईमानी से किसी चीज को प्राप्त करना भी चोरी है। जिस पर अपना अधिकार नहीं, उसे लेना भी इसी श्रेणी में आता है। ब्रह्मचर्य : मन, वचन एवं कर्म से यौन संयम अथवा मैथुन का सर्वथा त्याग करना ब्रह्मचर्य है। सभी इंद्रिय जनित सुखों में संयम बरतना। अपरिग्रह : अपने स्वार्थ के लिए धन, संपत्ति एवं भोग की सामग्री में संयम न बरतना परिग्रह है। इसका अभाव अपरिग्रह है। आवश्यकता से अधिक संचय करना अपरिग्रह है। दूसरों की वस्तुओं की इच्छा न करना। मन, वचन एवं कर्म से इस प्रवृत्ति को त्यागना ही अपरिग्रह है। नियमों में शौच के अंतर्गत पानी-मिट्टी आदि के द्वारा शरीर, वस्त्र, भोजन, मकान आदि के मल को दूर करना बाह्य शुद्धि माना जाता है। सद्भावना, मैत्री, करुणा आदि से की जाने वाली शुद्धि आंतरिक शुद्धि मानी जाती है। केवल अपने भौतिक शरीर का ध्यान रखना पर्याप्त नहीं है, बल्कि अपने मन के विचारों को पहचान कर उन्हें दूर करने का प्रयास करना जरूरी है।

महिलाओं को सशक्त बनाना और बच्चों का पोषण करना: अस्वास्थ्यकर स्नैक्स के खिलाफ लड़ाई

नवोन्मेषी हस्तक्षेपों के माध्यम से, परिवारों को घर पर बने पौष्टिक भोजन की ओर लौटने के लिए प्रेरित किया जा सकता है कुछ साल पहले, जब महिलाओं, किशोरों और बच्चों के बीच स्वास्थ्य और पोषण जागरूकता पर काम करने वाली गैर-लाभकारी संस्था चेतना एक सर्वेक्षण कर रही थी, तो उसे अहमदाबाद में वासना की शहरी झुग्गी बस्ती में बड़ी संख्या में बच्चे रहते हुए मिले।, गुजरात, आमतौर पर किराने की दुकानों पर मिलने वाले पैकेज्ड आलू के चिप्स और अन्य अस्वास्थ्यकर स्नैक्स का आदी हो गया है। वे अक्सर घर का बना खाना छोड़ देते हैं और ऐसे अल्ट्रा प्रोसेस्ड भोजन को खाना पसंद करते हैं। परिणामस्वरूप, उनमें से कई कुपोषित और एनीमिया से पीड़ित हो गए। चेतना ने बच्चों को पैकेज्ड फूड से दूर रखने के लिए जो रणनीति अपनाई, उनमें से एक यह प्रदर्शित करना था कि कैसे पारंपरिक गुजराती स्नैक्स और शेरो, सुखड़ी और लैड्स जैसे पूरक खाद्य पदार्थ स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पौष्टिक भी हो सकते हैं। माताओं और देखभाल करने वालों की उपस्थिति में उन्हें पकाने से उन्हें अपने बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के नए तरीके सीखने में मदद मिली। पांच सप्ताह तक 1 से 5 वर्ष के कम वजन वाले बच्चों को पूरक आहार भी दिया गया, जिसमें प्रोटीन, वसा और आयरन था। चेतना टीम ने एक निश्चित समय पर सप्ताह में तीन बार परिवारों से मुलाकात की और 30 मिनट का दृष्टिकोण अपनाया। इसका मतलब यह सुनिश्चित करना था कि बच्चे 30 मिनट तक बैठे रहें जबकि देखभाल करने वाले उन्हें घर का बना खाना खिलाएं। प्रत्येक बच्चे के लिए 36 गृह दौरे हुए। हस्तक्षेप के सात से नौ महीनों के भीतर, बच्चे केवल घर का बना खाना ही खा रहे थे। उनकी कैलोरी गिनती बढ़ाने के लिए, गेहूं के आटे और बंगाल चने के मिश्रण से

बने व्यंजनों को भी उनके मेनू में जोड़ा गया। धीरे-धीरे बच्चों द्वारा ग्रहण किए जा रहे अन्य पोषक तत्वों के साथ-साथ कैलोरी में भी वृद्धि हुई। नौ महीने के अंत में शुरुआत में कम वजन वाले 166 बच्चों का वजन लिया गया, जिनमें से 36% बच्चे पूरी तरह से पोषित पाए गए। सिर्फ खाने के पैकेट खा रहे सभी 35 बच्चों ने घर का बना खाना खाना शुरू कर दिया। इस आदत को बनाए रखने के लिए, चेतना ने इन झुग्गियों में रहने वाले आर्थिक रूप से हाशिए पर रहने वाले समुदायों की माताओं और अन्य महिलाओं को कुशल बनाने का विचार रखा ताकि वे भी ऐसे पौष्टिक स्नैक्स बनाने से आर्थिक रूप से लाभ प्राप्त कर सकें। अगस्त 2023 में, उन्होंने इन झुग्गियों में रहने वाली महिलाओं को दोनों काम करने के लिए प्रशिक्षण देना शुरू किया - अपने बच्चों को अस्वास्थ्यकर स्नैक्स से दूर घर का बना खाना खिलाना और साथ ही पोषक-उद्यमी बनना। 25 महिलाओं का पहला बैच आहार, स्वस्थ भोजन के महत्व और नाश्ते में पोषण जोड़ने के कुछ पाठों के साथ शुरू हुआ। उनकी पोषण शिक्षा को बढ़ाने के अलावा, उन्हें पैकेजिंग, विपणन और व्यवसाय प्रबंधन पर सलाह दी गई। झुग्गी बस्ती में एक रसोई स्थापित की गई और महिलाओं को पेशेवर होने और स्वच्छता बनाए रखने के महत्व के बारे में बताया गया। उन्होंने खजूर के लड्डू जैसी पौष्टिक मिठाइयाँ, रागी और चुकंदर शाका रपारा जैसे बाजरा से बनी पारंपरिक खादी के साथ-साथ स्वादिष्ट फूला हुआ बाजरा और नाचोस बनाना सीखा, महिलाओं ने अपने उत्पादों को पड़ोसियों के साथ-साथ दुकानदारों को भी बेचना शुरू कर दिया। 2024 के पहले तीन महीनों में, 25 महिलाएं लगभग 60,000 किलोग्राम घर का बना नाश्ता बेचने में सक्षम थीं। वे अब प्रति माह 4000 से 5000 रुपये कमा रहे हैं। 35 वर्षीय चंपाबेन मकवाना, जो एक गृहिणी हैं और दो बच्चों की मां हैं, के लिए पोषण-उद्यमी बनने से उनका आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने का सपना सच हो गया है। उनकी 5000 रुपये की मासिक आय ने उन्हें व्हाट्सएप के माध्यम से अपने पंख फैलाने और ऑनलाइन व्यवसाय में उद्यम करने का आत्मविश्वास दिया है। वह न केवल परिवार की वित्तीय स्थिरता में योगदान देने में सक्षम हैइससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि, अपने बेटे के बार-बार होने वाले पेट दर्द को घर के बने विकल्पों के साथ पैकेज्ड स्नैक्स के स्थान पर रोकें। पोषक-उद्यमी बनने से 18 वर्षीय भावना सरगरा का जीवन बदल गया है। अपनी 10वीं बोर्ड परीक्षा में अंग्रेजी, गणित और विज्ञान में असफल होने के बाद, सरगरा ने आशा खो दी और दिशाहीन हो गई। उद्यमशीलता प्रशिक्षण ने नए दरवाजे खोले और नवीन पाक तकनीकों और व्यंजनों ने उन्हें प्रति माह 5000 रुपये कमाने में सक्षम बनाया है। आय में इस वृद्धि ने उन्हें अपनी शैक्षिक आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए ट्यूशन कक्षाओं में दाखिला लेने की स्वतंत्रता दी है। वह 12वीं बोर्ड परीक्षा देने की तैयारी कर रही है। इसके अतिरिक्त, वह अपने परिवार को वित्तीय मदद भी प्रदान कर रही है और अपने छोटे भाई-बहनों को अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। यह सर्वविदित है कि अल्ट्रा प्रोसेस्ड भोजन जैसे चिप्स और नूडल्स में वसा, नमक और चीनी का अस्वास्थ्यकर स्तर होता है। इसका एक कारण यह है कि इमल्सीफायर्स, एडिटिव्स, प्रिजर्वेटिव्स और स्टेबलाइजर्स जो आमतौर पर घरेलू रसोई में उपयोग नहीं किए जाते हैं, इन उत्पादों में उनके शेल्फ जीवन को बढ़ाने के लिए पाए जा सकते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि इनके सेवन से जीवनशैली से संबंधित अन्य बीमारियों के अलावा टाइप -2 मधुमेह के विकास का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययनों के अनुसार, अस्वास्थ्यकर खाद्य उत्पादों के आक्रामक विपणन का सबसे बड़ा प्रभाव सबसे कम 20% आय वर्ग के समुदायों पर पड़ता है, जो पैकेज्ड खाद्य पदार्थों पर 5.5% खर्च करते हैं। हालाँकि, चेतना पहल से पता चलता है कि जो कुछ भी पैक किया गया है वह अस्वास्थ्यकर नहीं है। यह पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक हो सकता है। इसके लिए केवल इच्छाशक्ति और पोषण शिक्षा की आवश्यकता है।

-विजय गर्ग

अमेरिका में एमबीबीएस बनाम भारत में एमबीबीएस: पाठ्यक्रम की अवधि, शुल्क और प्रवेश प्रक्रिया में क्या अंतर हैं?

भारत में मेडिकल डिग्री कोर्स स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद शुरू होता है। स्नातक पाठ्यक्रम आम तौर पर इंटर्नशिप सहित पांच साल तक चलता है। इसके विपरीत, अमेरिका में, छात्रों को कक्षा 10 के बाद चार साल का प्री-मेडिकल कोर्स पूरा करना होगा, इसके बाद स्नातकोत्तर (पीजी) डिग्री के रूप में चार साल का एमडी कोर्स करना होगा। कई भारतीय छात्रों के लिए अमेरिका और यूरोप में चिकित्सा का अध्ययन करना एक सपना है। हालाँकि, अमेरिका में मेडिकल डिग्री हासिल करना उतना आसान नहीं है जितना रूस, यूक्रेन और बेलारूस जैसे देशों में है। बहुत कम भारतीय छात्र अमेरिका में चिकित्सा का अध्ययन करना चुनते हैं क्योंकि यह अत्यधिक महंगा है और प्रतिस्पर्धी भी है। दूसरी ओर, अमेरिका में डॉक्टरों का वेतन काफी अधिक है। यहां भारत और अमेरिका में चिकित्सा पाठ्यक्रमों से जुड़ी प्रक्रियाओं और लागतों की बुनियादी तुलना दी गई है। एमबीबीएस बनाम एमडी भारत में मेडिकल डिग्री कोर्स स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद शुरू होता है। स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रम आमतौर पर इंटर्नशिप सहित पांच साल तक चलता है। इसके विपरीत, अमेरिका में, छात्रों को कक्षा 10 के बाद चार साल का प्री-मेडिकल कोर्स पूरा करना होगा, इसके बाद स्नातकोत्तर (पीजी) डिग्री के रूप में चार साल का एमडी कोर्स करना होगा। चूंकि अमेरिका में प्री-मेडिकल पढ़ाई के बाद एमडी नामक एक पीजी कोर्स होता है, इसलिए एमडी कार्यक्रम में दाखिला लेने की योजना बना रहे भारतीय छात्र को पहले भारत में एमबीबीएस पूरा करना होगा या अमेरिका में किसी मान्यता प्राप्त कॉलेज से प्री-मेडिकल डिग्री प्राप्त करनी होगी। चार साल के एमडी पाठ्यक्रम में दो साल की सैद्धांतिक कक्षाएं और उसके बाद दो साल का नैदानिक प्रशिक्षण शामिल है। अमेरिका में एमडी के लिए प्रवेश प्रक्रिया संयुक्त राज्य अमेरिका में एमडी पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने के लिए, किसी के पास भारत से एमबीबीएस की डिग्री या अमेरिकी मेडिकल कॉलेज से प्री-मेडिकल डिग्री होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त, भारतीय छात्रों को अंग्रेजी भाषा दक्षता परीक्षा, अंतर्राष्ट्रीय अंग्रेजी भाषा परीक्षण प्रणाली (आईईएलटीएस) और मेडिकल कॉलेज प्रवेश परीक्षा (एमसीएटी) उत्तीर्ण करनी होगी। अमेरिका में मेडिकल कोर्स की फीस औसतन, संयुक्त राज्य अमेरिका में अंतर्राष्ट्रीय छात्र चार साल के एमडी पाठ्यक्रम के लिए ट्यूशन फीस पर लगभग 47.4 लाख रुपये (लगभग $56,700) खर्च करते हैं। ट्यूशन फीस के अलावा रहने-खाने का खर्च, स्वास्थ्य बीमा और वीजा संबंधी खर्च भी उठाना पड़ता है। अमेरिका में मेडिकल छात्रवृत्ति जबकि अमेरिका में मेडिकल की पढ़ाई काफी महंगी है, छात्रों की सहायता के लिए कई छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध हैं। ये छात्रवृत्तियाँ ट्यूशन फीस और रहने के खर्च दोनों को कवर कर सकती हैं। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, अमेरिका में एमडी की पढ़ाई करने पर छात्रों को 20 लाख रुपये तक की स्कॉलरशिप मिल सकती है। हालाँकि, यह मेडिकल कॉलेज के आधार पर भिन्न होता है। छात्रवृत्तियाँ योग्यता आधारित, आवश्यकता आधारित या विशेष विश्वविद्यालयों के लिए विशिष्ट हो सकती हैं। शीर्ष छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध हैं हार्वर्ड मेडिकल स्कूल - लगभग 57.5 लाख रुपये ($68,714.11) स्टैनफोर्ड स्कूल ऑफ मेडिसिन - लगभग 58.6 लाख रुपये ($70,015.05) एयूए प्रोवोस्ट छात्रवृत्ति - लगभग 83 लाख रुपये ($99,168.07) येल स्कॉलरशिप - लगभग 41 लाख रुपये ($48,986.64) अमेरिका में सर्वश्रेष्ठ मेडिकल कॉलेज क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 के अनुसार, पांच अमेरिकी विश्वविद्यालय दुनिया के शीर्ष 10 मेडिकल कॉलेजों में शुमार हैं। कैमब्रिज, मैसाचुसेट्स में स्थित हार्वर्ड विश्वविद्यालय को विश्व स्तर पर अध्ययन के लिए नंबर एक संस्थान के रूप में स्थान दिया गया है। विदेश

महाविद्यालय स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय येल विश्वविद्यालय अमेरिका में डॉक्टरों का वेतन अमेरिका में डॉक्टर का वेतन अलग-अलग होता हैस्थान, विशेषज्ञता, अनुभव और अन्य कारकों पर। चिकित्सा में सबसे अधिक भुगतान वाले क्षेत्रों में प्लास्टिक सर्जरी, कार्डियोलॉजी और ऑर्थोपेडिक्स शामिल हैं। अमेरिका में एक डॉक्टर का औसत वार्षिक वेतन लगभग 1.4 करोड़ रुपये है। शीर्ष वीडियो सभी को देखें थाईलैंड ने समलैंगिक विवाह को वैध बनाया 2006 के युद्ध की पुनरावृत्ति के डर से लेबनानी पलायन अमेरिका में पढ़ाई के बाद एफएमजीई परीक्षा की जरूरत नहीं अमेरिका में मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने वाले भारतीय छात्रों को भारत में प्रैक्टिस करने के लिए फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जाम (एफएमजीई) पास करने की जरूरत नहीं है। मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया अमेरिका के प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों से अर्जित एमडी डिग्री को मान्यता और मंजूरी देती है।

सोने की भाव में लगातार तीसरे दिन तेजी, चांदी में भी उछाल; जानिए लेटेस्ट प्राइस

परिवहन विशेष न्यूज

शादी-ब्याह और त्योहारी मौसम की मांग को पूरा करने के लिए स्थानीय जौहरियों ने सोने की खरीद बढ़ाई है। साथ ही विदेशी बाजारों में भी मजबूत रुख के कारण कीमतें इस साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। इस बात की भी उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती की आक्रामक गति बनाए रखेगा। इसके चलते सोने को सुरक्षित विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है।

नई दिल्ली। सोने की कीमतों (Gold Prices Today) की तेजी का सिलसिला लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को सोना 50 रुपये बढ़कर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, फेस्टिव सीजन के चलते जौहरियों की ओर से सोने की डिमांड बढ़ रही है और यह 50 रुपये बढ़कर 78,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए स्तर पर पहुंच गया। गुरुवार को यह कीमती धातु 78,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

औद्योगिक इकाइयों और सिक्का निर्माताओं की ताजा मांग के कारण चांदी भी 500 रुपये उछलकर 94,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले कारोबार में यह धातु 94,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

सोने का क्यों बढ़ रहा भाव

व्यापारियों का कहना है कि शादी-ब्याह और त्योहारी मौसम की मांग को पूरा करने के लिए स्थानीय जौहरियों ने सोने की खरीद बढ़ाई है। साथ ही, विदेशी बाजारों में भी मजबूत रुख के कारण सोने की कीमतें इस साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। इस बात की भी उम्मीद है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व आगे भी ब्याज दरों में कटौती की आक्रामक गति बनाए रखेगा। इसके चलते सोने को सुरक्षित विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है।

इस बीच, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर वायदा कारोबार में अक्टूबर डिलीवरी के लिए सोने के अनुबंध 181 रुपये या 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75,206 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गए। दिसंबर डिलीवरी के लिए चांदी के अनुबंध 142 रुपये या 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 92,522 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहे थे।

क्या है एक्सपर्ट की राय

आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स के एवीपी- कमोडिटीज एंड करेंसीज, मनीष शर्मा ने कहा, ₹कल उम्मीद से बेहतर अमेरिकी आंकड़ों के कारण अमेरिकी डॉलर में तेजी आई और फेड की अगली बैठक में बड़ी दरों में कटौती पर व्यापारियों ने कुछ दांव कम किए। इसके बाद मुनाफावसूली के कारण सोने की कीमतों में कुछ कमी आई है।

वहीं, जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड में कमोडिटी और करेंसी रिसर्च के ईबीजी के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा। हालांकि, सुरक्षित निवेश की मांग, ईटीएफ निवेशकों की खरीदारी आदि से सर्राफा को समर्थन मिलने की संभावना है। दिन के लिए डेटा फोकस यूएस पीसीई (व्यक्तिगत उपभोग व्यय) मुद्रास्फीति संख्या और उपभोक्ता भावनाओं पर रहेगा।"

एशियाई कारोबारी घंटों में वैश्विक स्तर पर चांदी भी 0.36 प्रतिशत गिरकर 32.23 डॉलर प्रति औंस पर आ गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, "चीन के हालिया प्रोत्साहन के बाद दुनिया के शीर्ष दो उपभोक्ताओं, चीन और भारत की मांग में सुधार होने की संभावना है। भारत में त्योहारी सीजन से पहले खुदरा मांग बढ़ने की उम्मीद है। इससे बाजार की धारणा में भी सुधार हुआ और सोने की कीमतों में तेजी आई।"

राशन कार्ड से नाम कटने का खतरा; यूपी और बिहार जैसे राज्यों के लोग जल्द करें ये जरूरी काम

Ration Card E-Kyc

सरकार निम्न वर्ग को आनाज का लाभ देने के लिए राशन उपलब्ध करवाती है। इस कार्ड पर राज्य के किसी भी नागरिक को राशन मिल जाता है। अब कोई भी नागरिक किसी भी राज्य के डिपो से राशन ले सके इसके लिए सरकार रे राशन ई-केवाईसी को अनिवार्य कर दिया है। अगर राशनधारक यह काम नहीं करवाता है तो उसका नाम लाभार्थी लिस्ट से काट दिया जाएगा।

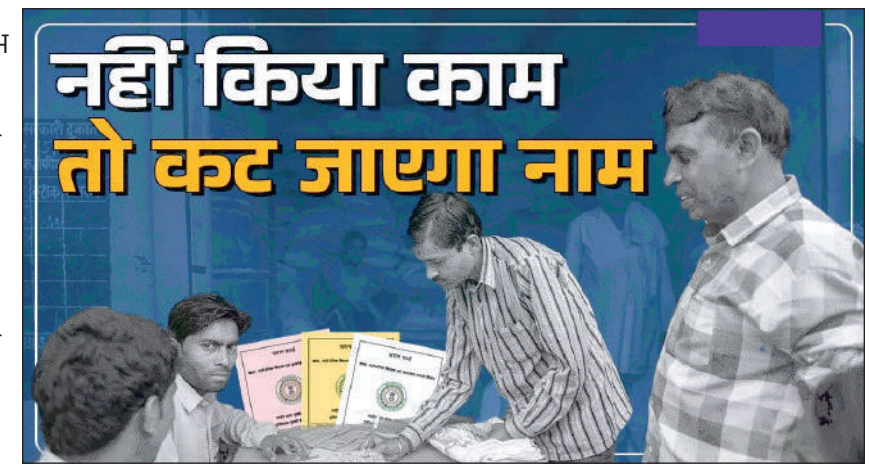

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राशन कार्ड (Ration Card) के लिए ई-केवाईसी (E-Kyc) करवाना जरूरी है। अगर राशन कार्डधारक ई-केवाईसी (Ration Card E-Kyc) नहीं करवाते हैं तो उनका नाम राशन लाभार्थी लिस्ट से हटा दिया जाएगा। राशन कार्ड ई-केवाईसी की आखिरी तारीख 31 दिसंबर 2024 तय की गई है। राशन कार्ड ई-केवाईसी के साथ लाभार्थी को मोबाइल नंबर लिंक करना होगा।

ई-केवाईसी क्यों जरूरी (Why Ration Card E-Kyc is important)

कई नागरिक रोजी-रोटी के लिए दूसरे राज्य जाते हैं। ऐसे में राशन कार्ड का लाभ उन्हें दूसरे राज्य में भी मिले इसके लिए ई-केवाईसी जरूरी किया गया है। लाभार्थी का ई-केवाईसी जैसे ही पूरा होता है उसे दूसरे राज्य के राशन डिपो पर आसानी से राशन मिल जाएगा।

कैसे होगा ई-केवाईसी (Ration Card E-Kyc Process)

राशन कार्ड का ई-केवाईस करवाने के लिए लाभार्थी को राशन दुकान पर अपना राशन कार्ड और आधार कार्ड लेकर जाना होगा। यहां पर उसे आधार कार्ड की डिटेल्स के साथ बायोमेट्रिक वेरीफिकेशन भी करवाना होगा।

अगर किसी लाभार्थी का बायोमेट्रिक वेरीफिकेशन 4 बार में सक्सेसफुल नहीं होता है तो वह तीन महीने के बाद दोबारा वेरिफिकेशन करवा सकता है।

राशन कार्ड से मोबाइल नंबर करें लिंक

राशन कार्ड के अलावा लाभार्थी अपना मोबाइल नंबर भी अपडेट या चेंज करवा सकते हैं। मोबाइल नंबर को चेंज करवाने का आधिकार केवल राशन कार्ड के मुखिया के पास है। अगर राशन कार्ड में किसी मेंबर का गलत डिटेल्स दी गई है तो इसे सही भी करवाने का अधिकार मुखिया के पास ही होता है।

पेटीएम ने शुरू किया यात्रा कार्निवल, फ्लाइट के साथ सस्ते में मिल रही ट्रेन टिकट

फेस्टिव सीजन से पहले फिनटेक कंपनी Paytm ने Travel Carnival लॉन्च किया है। Travel Carnival में यूजर डिस्काउंट के साथ फ्लाइट ट्रेन और बस की टिकट बुक कर सकते हैं। इसके अलावा पेटीएम के पार्टनरशिप बैंक के जरिये बुकिंग करने पर अतिरिक्त लाभ भी पा सकते हैं। पेटीएम ने इसके लिए प्रोमोकोड भी जारी किया है। पढ़ें पूरी खबर...

नई दिल्ली। फेस्टिव सीजन में पेटीएम (Paytm) मे अपने यूजर को लाभ देने के लिए Travel Carnival शुरू किया है। इस Carnival में यूजर सस्ते दर पर फ्लाइट टिकट के साथ ट्रेन और बस टिकट भी मिल रही है। यह फेस्टिवल 26 सितंबर 2024 से 5 अक्टूबर तक रहेगा। इसका मतलब है कि यूजर इस बीच तक सस्ती दर पर टिकट बुकिंग कर सकते हैं।

Paytm Travel Carnival ऑफर

- Paytm के Travel Carnival में यूजर फ्लाइट टिकट पर 5,000 रुपये तक बचा सकता है।
- वहीं बस और ट्रेन की टिकट पर 25 फीसदी तक का ऑफ मिल रहा है।
- पेटीएम ने फ्री कैंसिलेशन की सविधा भी दी है। इसका मतलब है कि फ्लाइट, ट्रेन और बस टिकट को कैंसिल करवाने पर कोई चार्ज नहीं लगेगा।
- पेटीएम ने अपने बैंक पार्टनरशिप के साथ भी कई ऑफर लाया है। ICICI Bank, RBL Bank, Bank of Baroda, और AU Small Finance Bank के माध्यम से टिकट बुक करने पर यूजर को अतिरिक्त लाभ मिलेगा।

पेटीएम के प्रवक्ता ने कहा कि फेस्टिव सीजन करीब आ रहा है। इस फस्टिव सीजन कई लोग घर जाने की तो वहीं कई लोग घूमने की प्लानिंग कर रहे हैं। ऐसे में उनकी यात्रा को किफायती बनाने के लिए पेटीएम ऑफर्स लेकर आया है। इस ऑफर्स में पार्टनरशिप बैंक के साथ यूजर सस्ती दर पर टिकट बुक कर सकते हैं। Paytm Travel Carnival का उद्देश्य यूजर को उड़ानों, ट्रेनों और बसों पर बचत की पेशकश करना है।

Paytm Travel Carnival का प्रोमोकोड

यूजर अतिरिक्त लाभ पाने के लिए प्रोमोकोड का इस्तेमाल कर सकते हैं। पेटीएम डॉमेस्टिक फ्लाइट पर 15 फीसदी और इंटरनेशनल फ्लाइट पर 10 फीसदी का इंस्टेंट डिस्काउंट दे रहा है। वहीं पेटीएम यूजर प्रोमोकोड जैसे-ICICI Bank के लिए "ICICICC₹, RBL Bank के लिए ₹FLYRBL₹, Bank of Baroda के लिए ₹BOBSALE₹ और AU Small Finance Bank के लिए ₹AUSALE₹ का इस्तेमाल करते डिस्काउंट ले सकते हैं।

यूपी-बिहार के लोगों के मजे; दिवाली और छठ पर चलेंगी 6000 स्पेशल ट्रेंने

परिवहन विशेष न्यूज

त्योहारी सीजन (Festive Season) में बाहर रहने वाले लोग अपने गृह राज्य जाना चाहते हैं ताकि परिवार के साथ दुर्गा पूजा दिवाली और छठ जैसे त्योहार मना सके। हालांकि कई बार ट्रेन टिकट न मिलने से उन्हें मायूस होना पड़ता है। परदेसियों की इस समस्या को दूर करने के लिए रेलवे ने फेस्टिव सीजन में 6000 स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला किया है।

नई दिल्ली। दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ जैसे त्योहारों को लोग अपने परिवार के साथ मनाना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों के बहुत से लोग रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में भी रहते हैं। उनकी भी कोशिश रहती है कि दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ जैसे बड़े त्योहारों को अपने गृह राज्य में परिवार के साथ मनाया जाए। लेकिन, त्योहारी सीजन में ट्रेन टिकट न मिलने से बहुत से लोग घर नहीं जा पाते।

इसी परेशानी को दूर करने के लिए भारतीय रेलवे (Indian Railways) ने करीब 6,000 स्पेशल ट्रेनें चलाने का एलान किया है। इससे 1 करोड़ से अधिक यात्रियों को दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पर घर जाने में सहूलियत होगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक, त्योहारों के दौरान होने वाली भारी भीड़ से निपटने के लिए 108 ट्रेनों में अतिरिक्त जनरल कोच जोड़े गए हैं और 12,500 कोच मंजूर किए गए हैं।

कई ट्रेन रूट, खासकर बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जाने वाली ट्रेनों में दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ त्योहारों के दौरान भारी भीड़ होती है। वैष्णव का कहना है कि इस साल त्योहारी सीजन के लिए अब तक कुल 5,975 विशेष ट्रेनें नोटिफाइड की गई हैं, जो पिछले साल 4,429 थीं। उन्होंने कहा, ₹इससे एक करोड़ से अधिक यात्रियों को पूजा की भीड़ के दौरान घर जाने में सुविधा होगी।₹

कब हैं दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ

दुर्गा पूजा 9 अक्टूबर से शुरू हो रही है। यह त्योहार पूरे उत्तर भारत में मनाया जाता है, लेकिन पश्चिम बंगाल में इसकी काफी धूम रहती है। इस दौरान झांकियां भी निकलती हैं। वहीं, दिवाली 31 अक्टूबर को मनाई जाएगी। इसे देश के सबसे बड़े त्योहार का दर्जा हासिल है। इसे दूसरे देशों में रहने वाले हिंदू काफी धूमधाम से मनाते हैं।

अगर छठ पूजा की बात करें, तो यह दिवाली के बाद होती है। पंचांग के मुताबिक, छठ पूजा की शुरुआत कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से होती है। इस महापर्व का समापन सप्तमी तिथि पर होता है। इसका मतलब कि यह त्योहार 5 नवंबर से लेकर 8 नवंबर तक चलेगा।

त्योहारी सीजन में आप भी न हो जाएं स्कैम के शिकार, जानिए किस फ्रॉड से कैसे बचें

Online Fraud फेस्टिव सीजन का आगाज हो गया है। ऐसे में लोगों को डिजिटल फ्रॉड से बचना चाहिए। इस साल 7000 से ज्यादा साइबर क्राइम के मामले सामने आए हैं। डिजिटल फ्रॉड को लेकर Quick Heal Technologies Limited ने 6 डिजिटल फ्रॉड के बारे में बताया। आइए इस आर्टिकल में इन डिजिटल फ्रॉड के बारे में और उनसे बचने के टिप्स के बारे में जानते हैं।

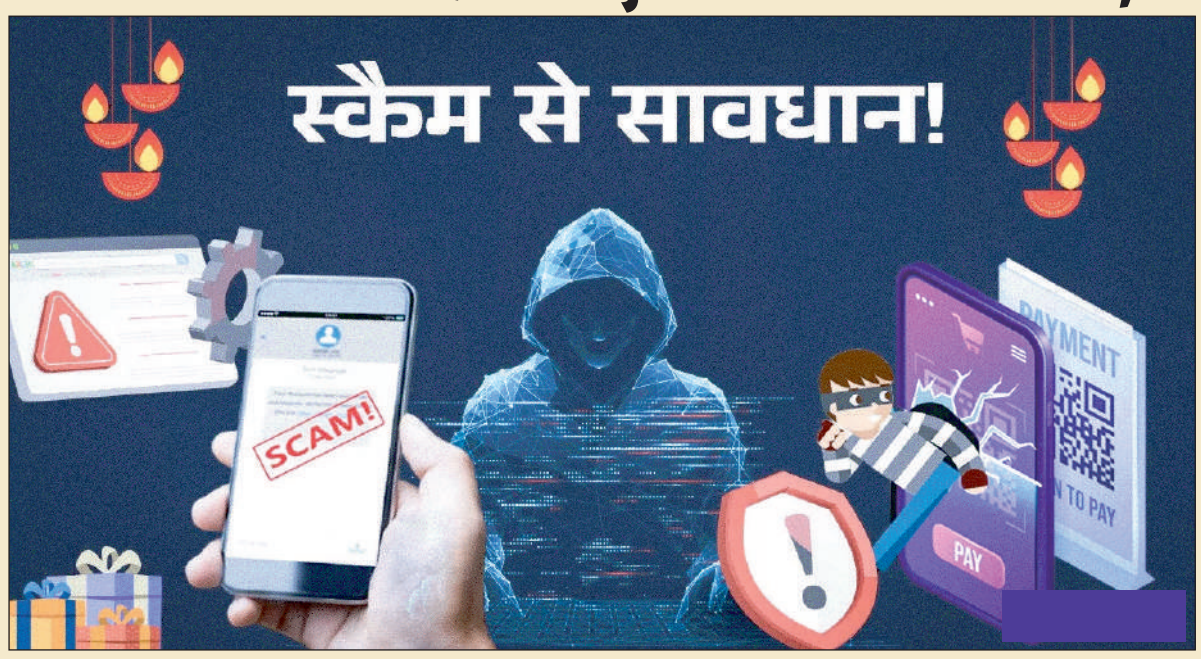

नई दिल्ली। फेस्टिव सीजन शुरू हो चुका है। ऐसे में ठग भारी सेल की लालच देकर लोगों के साथ डिजिटल फ्रॉड (Digital Fraud) कर देते हैं। इंडियन साइबर क्राइम कॉरिडेनेशन सेंटर (I4C) की रिपोर्ट में बताया कि मई 2024 में 7,000 साइबर क्राइम रजिस्टर हुए हैं। अगर साइबर क्राइम में आई तेजी की बात करें तो वर्ष 2021 और 2023 के बीच में साइबर क्राइमके मामले 113.7 फीसदी बढ़ गए।

बढ़त साइबर क्राइम मामलों को रोकने के लिए सरकार द्वारा कई कदम उठाए जा रहे हैं। इसके अलावा Quick Heal Technologies Limited ने डिजिटल फ्रॉड के बारे में भी बताया। कंपनी के अनुसार लोगों के साथ 6 तरह के डिजिटल फ्रॉड के शिकार होते हैं।

ऑनलाइन शॉपिंग स्कैम (Online Shopping Scam)

फेस्टिवल सीजन में कई कंपनियां सेल और डिस्काउंट देती है। ठग लोगों कों शॉपिंग में भारी डिस्काउंट का झांसा देते हैं। इस तरह के फ्रॉड अधिकतर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, WhatsApp और मैसेज के जरिये होते हैं।

कैसे बचें

- वेबसाइट को वेरिफाई करें।
- किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें।
- हमेशा सिक्योर पेमेंट मोड यानी क्रेडिट कार्ड या फिर ट्रस्ट प्लेटफॉर्म से पेमेंट करें।

बैंकिंग रिवॉर्ड (Banking Reward Scam)

जालसाज लोगों को रिवॉर्ड का लालच भी देते हैं। इसके लिए वह APK फाइल का ट्रिक अपनाते हैं जिसमें मालवेयर होते हैं। इस फाइल को डाउनलोड करने के बाद कस्टमर की पर्सनल और बैंकिंग डिटेल्स ठग के पास पहुंच जाता है और वह इन जानकारी का गलत इस्तेमाल करते हैं।

कैसे बचें

- हमेशा ऑफिशियल ऐप स्टोर से ऐप इंस्टॉल करें।
- बैंक से आए मैसेज को हमेशा वेरिफाई करें।
- अपने स्मार्टफोन का two-factor authentication को इनेबल करें ताकि कोई डिटेल्स चोरी न कर पाए।

IRCTC App फ्रॉड (IRCTC App Fraud)

फेस्टिव सीजन में कई ट्रैवल कंपनी भी सेल और डिस्काउंट का लाभ देती है। भारत में यातायात के लोगों को रेल काफी पसंद आती है। अब ठग फेक IRCTC App के जरिये भी फ्रॉड करते हैं। इस तरह के फ्रॉड में वह यूजर के पर्सनल डिटेल्स, लॉग-इन डिटेल्स और जीपीएस लोकेशन आदि जानकारी चुराकर उसका गलत इस्तेमाल करते हैं।

कैसे बचें

- हमेशा किसी ट्रस्ट सोर्स से ही ₹IRCTC Rail Connect₹ ऐप को इंस्टॉल करें।
- ऐप में परमिशन देते समय सावधानी अवश्य बरतें।
- समय-समय पर अपने डिवाइस के ऑपरेटिंग सिस्टम और सिक्योरिटी सॉफ्टवेयर को अपडेट करें।

Flipkart प्राइज फ्रॉड (Flipkart Prize Fraud)

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म Flipkart काफी पॉपुलर है। ठग Flipkart के जरिये भी फ्रॉड करते हैं। इसमें वह यूजर को फेक मैसेज भेजते हैं जिसमें प्राइस और गिफ्ट कार्ड का झांसा देते हैं। इस मैसेज में एक लिंक भी होता है जिसपर क्लिक करके यूजर की सभी डिटेल्स ठग के पास चली जाती है।

कैसे बचें

- कोई भी रिवॉर्ड प्राइज को कस्टमर सर्विस से डायरेक्ट वेरिफाई करें।
- किसी अनजान सोर्स से कभी अपनी पर्सनल डिटेल्स जारी न करें।
- गिफ्ट कार्ड और रिवॉर्ड जैसे फेक मैसेज पर विश्वास न करें।

सस्ते क्रूड ऑयल से भारत की चांदी; 60 हजार करोड़ की होगी बचत, रुपये को भी मिलेगी मजबूती

आर्थिक सर्वे 2024 में मौजूदा वित्त वर्ष में कच्चे तेल का औसत मूल्य 84 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान जताया गया था। हालांकि कच्चे तेल के मूल्य में लगातार नरमी बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह 70 से 75 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर बना हुआ है। अगर कीमतें इस सीमा में स्थिर रहती हैं तो भारत कच्चे तेल के आयात पर भारी बचत कर सकेगा।

नई दिल्ली। भारत अपनी क्रूड ऑयल की जरूरत का बड़ा हिस्सा यानी तकरीबन 80 फीसदी आयात से पूरा करता है। अगर कच्चा तेल आयात करने वाले देशों की लिस्ट देखें, तो इसमें चीन और अमेरिका के बाद भारत तीसरे नंबर पर है। इससे साफ जाहिर है कि क्रूड इंपोर्ट का सरकारी खजाने पर भारी बोझ डालता है। लेकिन, अब यह बोझ में काफी कमी आने वाली है और इसका कारण है अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट।

भारत को कितना फायदा होगा

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी बनी हुई है। इससे सरकार मौजूदा वित्त वर्ष 2024-25 में तेल आयात पर पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 60 हजार करोड़ रुपये की बचत कर सकती है। एक अनुमान के मुताबिक, कच्चे तेल में एक बैरल प्रति डॉलर की गिरावट से भारत के वार्षिक आयात बिल में 13 हजार करोड़ रुपये की बचत होती है।

आर्थिक सर्वे 2024 में मौजूदा वित्त वर्ष में कच्चे तेल का औसत मूल्य 84 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान जताया गया था। हालांकि, कच्चे तेल के मूल्य में लगातार नरमी बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह 70 से 75 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर बना हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर कीमतें इस सीमा में स्थिर रहती हैं तो भारत चालू वित्त वर्ष की शेष अवधि में कच्चे तेल के आयात पर भारी बचत कर सकेगा।

रुपये को भी मिलेगी मजबूती

केडिया एडवाइजरी के निदेशक अजय केडिया का कहना है कि 2025 में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी की उम्मीद है और इनके 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे रहने का अनुमान है। यदि यह कीमत मार्च 2025 तक बरकरार रहती है तो इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को काफी लाभ होगा।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार का एक बड़ा हिस्सा कच्चे तेल की खरीद में इस्तेमाल किया जाता है। आयात बिल में कमी से भारतीय रुपया अन्य प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले मजबूत हो सकता है। इस समय डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 83.60 के स्तर पर स्थिर है, जबकि विकसित देशों की मुद्राओं में काफी गिरावट आई है। आयात बिल में कमी से सरकार के पास निवेश के लिए भी ज्यादा पैसा उपलब्ध होगा।

भारत के हस्तलिखित संविधान: डॉ. अंकुर शरण के साथ एक विशेष साक्षात्कार : प्रियंका

आज हमारे साथ Art Nirbhar Bharat के विशेष साक्षात्कार में डॉ. अंकुर शरण हैं, जो कला और सुलेख के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। डॉ. अंकुर, आप कला के प्रति अपने योगदान और भारतीय संविधान के हस्तलिखित स्वरूप पर विशेष चर्चा करेंगे। आपका स्वागत है!

डॉ. अंकुर शरण: बहुत-बहुत धन्यवाद! मुझे यह अवसर प्रदान करने के लिए मैं आभारी हूँ। भारतीय संविधान और उसके हस्तलिखित स्वरूप के बारे में बात करना मेरे लिए एक गर्व का विषय है।

संपादक: डॉ. अंकुर, भारत का संविधान न केवल सबसे बड़ा लिखित दस्तावेज़ है, बल्कि इसे हाथ से लिखना एक अद्वितीय और ऐतिहासिक कार्य था। प्रेम बिहारी नारायण रायजादा के इस योगदान पर आपके क्या विचार हैं?

डॉ. अंकुर शरण: प्रेम बिहारी नारायण रायजादा का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने केवल सुलेख नहीं किया, बल्कि भारतीय संविधान के प्रत्येक पन्ने को अपनी कला के माध्यम से एक अनमोल धरोहर में बदल दिया। यह कार्य न केवल उनकी कला की उत्कृष्टता का प्रतीक है, बल्कि उनके समर्पण और निःस्वार्थ भावना को भी दर्शाता है। प्रेम बिहारी जी ने बिना किसी शुल्क के यह विशाल कार्य किया, और उनकी एकमात्र शर्त यह थी कि वह अपने और अपने दादा का नाम हर पन्ने पर

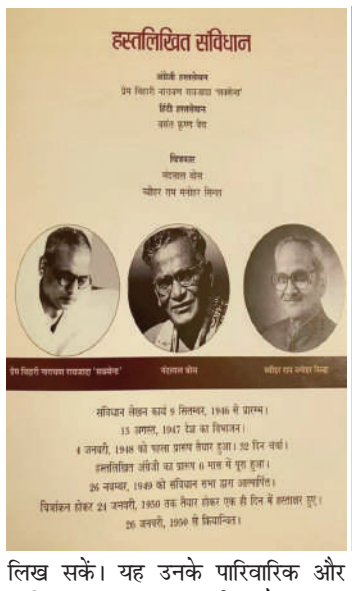

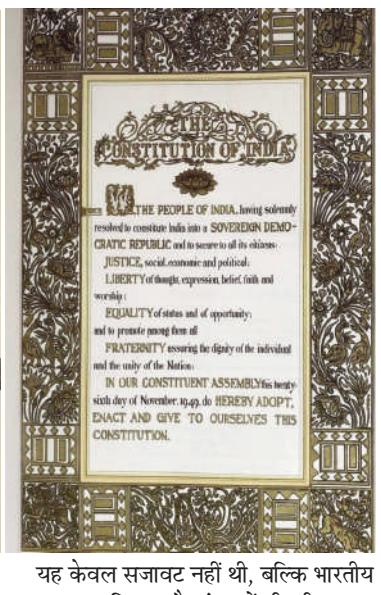

लिख सकें। यह उनके पारिवारिक और व्यक्तिगत सम्मान का प्रतीक है। उनका योगदान भारतीय इतिहास का एक अद्वितीय हिस्सा है।

संपादक: नंदलाल बोस और शांतिनिकेतन के छात्रों द्वारा की गई चित्रकारी को भी भारतीय संविधान का एक अहम हिस्सा माना जाता है। आपके अनुसार, इस चित्रकारी का भारतीय कला के इतिहास में क्या स्थान है?

डॉ. अंकुर शरण: नंदलाल बोस और उनके छात्रों द्वारा की गई चित्रकारी भारतीय कला और संस्कृति की गहराई को दर्शाती है। यह केवल सजावट नहीं थी, बल्कि भारतीय सभ्यता, इतिहास और संस्कारों की प्रतीकात्मक प्रस्तुति थी। उन्होंने संविधान के प्रत्येक अध्याय और अनुच्छेद के साथ भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को खूबसूरती से चित्रित किया। इस चित्रकारी ने संविधान को एक कानूनी दस्तावेज़ से कहीं अधिक एक सांस्कृतिक धरोहर बना दिया। भारतीय कला के इतिहास में इस चित्रकारी का विशेष महत्व है, और यह हमारे संविधान को दुनिया में एक अलग पहचान देता है।

संपादक: सुलेख और कला के प्रति आपके अनुभव को देखते हुए, आप युवा कलाकारों के लिए इससे क्या प्रेरणा लेना चाहेंगे?

डॉ. अंकुर शरण: प्रेम बिहारी नारायण रायजादा और नंदलाल बोस की यह कहानी युवा कलाकारों के लिए बहुत प्रेरणादायक है। यह हमें सिखाती है कि कला न केवल व्यक्तिगत उन्नति का माध्यम हो सकती है, बल्कि समाज और राष्ट्र की धरोहर भी बन सकती है। आज के डिजिटल युग में, हाथ से लिखने और कला के प्रति सच्ची निष्ठा का महत्व शायद कम होता जा रहा है, लेकिन यह कहानियाँ हमें यह याद दिलाती हैं कि आत्मा और सृजनशीलता से जुड़ी कला हमेशा जीवित रहेगी। युवा कलाकारों को चाहिए कि वे इस प्रकार की ऐतिहासिक धरोहरों से प्रेरणा लें और कला को केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित न रखें, बल्कि उसे समाज और संस्कृति के समृद्धिकरण के लिए भी उपयोग करें।

संपादक: अंत में, आप Art Nirbhar Bharat के माध्यम से हमारे पाठकों को क्या संदेश देना चाहेंगे?

डॉ. अंकुर शरण: मेरा संदेश यही है कि कला और संस्कृति हमारी पहचान हैं, और इन्हें संरक्षित करना और प्रोत्साहित करना हमारी जिम्मेदारी है। प्रेम बिहारी नारायण रायजादा और नंदलाल बोस जैसे महान कलाकार हमें सिखाते हैं कि निःस्वार्थ भाव से की गई कला आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकती है। युवा कलाकारों को अपनी कला में निष्ठा और समर्पण बनाए रखना चाहिए।

संस्कारशाला: ॐ - ब्रह्मांड की आदि ध्वनि और सनातन सत्य

डॉ. अंकुर शरण

सनातन धर्म का सबसे बड़ा सत्य ईश्वर के बाद "ॐ" है। यह शब्द न केवल एक ध्वनि है, बल्कि सम्पूर्ण ब्रह्मांड का सार है। 'ॐ' हिन्दू धर्म और भारतीय परंपराओं का सबसे महत्वपूर्ण प्रतीक है, जिसे सृष्टि का मूल आधार माना जाता है।

"ॐ" ध्वनि का उद्भव सृष्टि की शुरुआत में हुआ था, जब शून्यता से तीन अक्षर 'अ', 'उ' और 'म' का मेल कर 'ॐ' उत्पन्न हुआ। यह ध्वनि केवल ब्रह्मांड की नहीं, बल्कि हमारे भीतर के उच्च शक्ति को भी दर्शाती है।

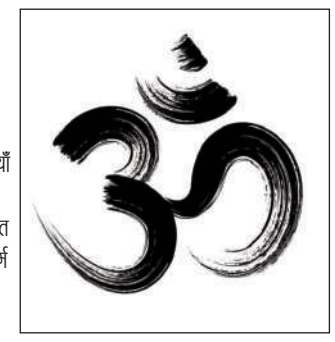

'ॐ' के तीन अक्षरों का महत्व

'ॐ' ध्वनि में तीन ध्वनियाँ शामिल हैं – 'अ', 'उ' और 'म', जो सृजन, जीवन और मृत्यु का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसके साथ ही ये ध्वनियाँ सृष्टि, चेतना और एकता का भी प्रतीक हैं। ये तीन ध्वनियाँ केवल भौतिक दुनिया तक सीमित नहीं हैं, बल्कि मनुष्य के विचार, वाणी और कर्म को भी अभिव्यक्त करती हैं।

ॐ की ध्वनि का कंपन 432 हर्ट्ज़ पर होता है, जो एक गहरी और शांत ध्वनि है। माना जाता है कि यह ब्रह्मांड की कम्पन ध्वनि है, और इसे सुनने से हमारे भीतर शांति और संतुलन की अनुभूति होती है।

'ॐ' और ध्यान

योगी ध्यान के दौरान 'ॐ' के चार भागों पर मनन करते हैं। ये चार भाग हैं – जाग्रत, स्वप्न, सुषुप्ति और तुरिया। जाग्रत, स्वप्न और सुषुप्ति हमारे तीन अवस्थाओं का प्रतीक हैं, जबकि तुरिया उस स्थिति का प्रतिनिधित्व करता है, जो इन सबसे परे है।

'ॐ' और 'AUM' में अंतर

कुछ विद्वानों का मानना है कि समय के साथ 'AUM' शब्द ने संक्षिप्त रूप में 'ॐ' का स्थान ले लिया है। संस्कृत में 'अ' और 'उ' ध्वनियों के मेल से 'ओ' का उच्चारण होता है, लेकिन सही उच्चारण 'आ-ऊ-म' के रूप में किया जाता है। इस प्रकार, 'AUM' और 'ॐ' एक ही हैं, बस उच्चारण का भिन्न रूप है।

'ॐ' का तीन बार उच्चारण क्यों?

ध्यान में 'ॐ' का तीन बार उच्चारण किया जाता है, क्योंकि यह आत्मा के तीन लोकों – भूत, वर्तमान और भविष्य का प्रतीक है। इसके अलावा, 'ॐ' तीन शक्तियों – सृजन, संरक्षण और परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करता है।

रोगों का उपचार और मानसिक शांति

'ॐ' का नियमित जाप न केवल मानसिक शांति प्रदान करता है, बल्कि यह शारीरिक और आत्मिक रोगों को भी दूर करता है। यह ध्वनि शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है और साइनस जैसे रोगों से मुक्ति दिलाती है।

योग और 'ॐ'

योग में 'ॐ' का महत्व अत्यधिक है, क्योंकि यह हमें ब्रह्मांड की दिव्य ऊर्जा से जोड़ता है। 'ॐ' ध्वनि के माध्यम से हम इस विश्व और उसकी अनंत ऊर्जा से एकात्म महसूस करते हैं।

'ॐ' एक साधारण ध्वनि नहीं, बल्कि सम्पूर्ण ब्रह्मांड की ऊर्जा का प्रतीक है। इसके जाप से न केवल आत्मिक शांति प्राप्त होती है, बल्कि हम अपने भीतर की उच्च शक्ति से भी जुड़ते हैं। इसलिए 'ॐ' का नियमित जाप करना न केवल ध्यान और योग में, बल्कि हमारे जीवन के हर क्षेत्र में अत्यंत लाभकारी है।

संस्कारशाला में 'ॐ' का महत्व: 'संस्कारशाला' के माध्यम से हम बच्चों को 'ॐ' के महत्व से अवगत कराते हैं। यह उन्हें सिखाता है कि जीवन के हर क्षेत्र में शांति, सृजन और संतुलन कैसे लाया जा सकता है। 'ॐ' का नियमित जाप बच्चों को मानसिक रूप से मजबूत बनाता है और उन्हें सृष्टि के प्रति आदरभाव विकसित करने में मदद करता है।

यूपी-बिहार जानेवालों की मौज, अब नहीं होगी परेशानी, त्योहार के लिए चलेगी विशेष ट्रेनें

नई दिल्ली। त्योहार की भीड़ को ध्यान में रखकर रेलवे द्वारा विशेष ट्रेनें चलाई जा रही है। इसी कड़ी में आनंद विहार टर्मिनल से बरौनी और हजरत निजामुद्दीन से पटना के बीच विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की गई है। दोनों विशेष ट्रेनों में वातानुकूलित श्रेणी के कोच लगाए जाएंगे। विशेष ट्रेनों से पूर्व दिशा के यात्रियों को सुविधा होगी।

आनंद विहार-बरौनी साप्ताहिक विशेष (04062/04061)

आनंद विहार टर्मिनल से यह विशेष ट्रेन छह अक्टूबर से 17 नवंबर तक प्रत्येक रविवार को सुबह नौ बजे रवाना होगी। वापसी में सात अक्टूबर से 18 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार को बरौनी से सुबह आठ बजे चलेगी। रास्ते में इसका ठहराव अलीगढ़, टुंडला, इटावा, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुल्तानपुर, जौनपुर, गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरमेनपुर, छपरा और हाजीपुर में होगा।

हजरत निजामुद्दीन-पटना विशेष (02246/02245)

पटना से यह विशेष ट्रेन सात अक्टूबर से 27 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार व बुधवार को रात 11.55 बजे प्रस्थान करेगी। वापसी में हजरत निजामुद्दीन से आठ अक्टूबर से 28 नवंबर तक प्रत्येक मंगलवार व बृहस्पतिवार को शाम 6.05 बजे चलेगी। रास्ते में यह गोविंदपुरी, प्रयागराज, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा और दानापुर में रुकेगी।

आनंद विहार टर्मिनल-गोरखपुर विशेष ट्रेन (04044/04043)

वहीं, रेलवे ने गोरखपुर जाने वाले यात्रियों की परेशानी भी दूर कर दी है। सप्ताह में एक दिन चलने वाली आनंद विहार टर्मिनल-गोरखपुर विशेष ट्रेन (04044/04043) अब दो दिन चलेगी। आनंद विहार टर्मिनल से यह विशेष ट्रेन 26 अक्टूबर से 26 नवंबर तक प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को चलेगी। वापसी में 27 अक्टूबर से 27 नवंबर तक प्रत्येक रविवार और बुधवार को रवाना होगी।

रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) के स्थापना दिवस के उपलक्ष में रेल निलायम सिकंदराबाद डिवीजन में रक्तदान शिविर एवं मरणोपरांत नेत्रदान जागरूकता

परिवहन विशेष न्यूज

हैदराबाद। सिकंदराबाद रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) के स्थापना दिवस के उपलक्ष में रेल निलायम सिकंदराबाद डिवीजन में रक्तदान शिविर एवं मरणोपरांत नेत्रदान जागरूकता के लिए तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद ने शिविर आयोजित किया ! इस विशाल कार्यक्रम का उद्घाटन में मुख्य अतिथि IG - PCSC / RPF / साउथ सेंट्रल रेलवे अरोमा सिंह ठाकुर एवं विशेष अतिथि CSC/RPF/ साउथ सेंट्रल रेलवे के मोहम्मद सदन जेब खान , वरिष्ठ अधिकारी उत्तम कुमार बंद्योपाध्याय , सतीश प्रभु , श्री डी श्रीनिवास, अरोमा सिंह ने रिबन कट करके आज के इस कार्यक्रम का शुभांरभ किया !

तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद के अध्यक्ष अभिनंदन जी नाहटा ने सभी का स्वागत करते हुए रक्तदान शिविर और नेत्रदान जागरूकता शिविर के बारे में जानकारी दी । तेलंगाना नेत्रदान प्रभारी प्रवीण श्यामसुखा ने नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा के बारे में बताते हुए नेत्रदान संकल्प फॉर्म भरने का सभी से आह्वान किया । तेयुप उपाध्यक्ष मनीष जैन ने रक्तदानीयों का सर्टिफिकेट से सम्मानित किया । मंत्री अनिल दुगड़, कार्यकर्तागण प्रकाश दुगड़, प्रेमप्रकाश पुगलिया, रोबिन बैद ने दुपट्टा पहनाकर अतिथियों का स्वागत किया !

स्थापना दिवस के उपलक्ष में आर पी एफ के 60 जवानों ने अपना रक्तदान किया और 70

जवानों ने अपने नेत्र की जांच करवाई ! आज के इस कार्यक्रम में पधारे सभी रक्तवीरो को RPF की ओर से श्री सत्यनारायण ने धन्यवाद ज्ञापित किया ! कार्यकर्ता सुदीप नौलखा, प्रतीक बम्बोली और मनोज हिरावत ने सभी रक्तविरो को तेरापंथ युवक परिषद की और से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया !इस रक्तदान शिविर में इंडियन रेडक्रॉस ब्लड बैंक एवं वासन आई बैंक का सहयोग रहा तेयुप एमबीडीडी प्रभारी रक्तबीर मनोज जैन ने आर पी एफ, इंडियन रेड क्रॉस ब्लड बैंक और वासन आई केयर के साथ मिलकर पूरे कार्यक्रम का नियोजन करते हुए संयोजक का दायित्व निभाया ।तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद की ओर से मंत्री अनिल दुगड़ ने आभार ज्ञापन किया ।

फेम ने किया नवागत जिलाधिकारी अरविंद मलप्पा बंगारी का स्वागत

नवागत जिलाधिकारी के सफल कार्यकाल के लिए फेम ने दी शुभकामनाएं

आगरा,संजय साग़र सिंह। फेडरेशन आफ आल इंडिया व्यापार मंडल ने फेम के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह सोबती के नेतृत्व में आज कलक्ट्रेट स्तिथ कार्यालय पर जाकर नवनियुक्त जिलाधिकारी अरविंद मलप्पा बंगारी से शिष्टाचार भेंटकर उनका स्वागत किया और उनके सफल कार्यकाल के लिए फेम ने शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर फेम के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह सोबती ने फेम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, फेम एक व्यापारियों का राष्ट्रीय संगठन है, जो भारत के 23 राज्यों के 400 जिलों के व्यापारियों का प्रतिनिधित्व करता है, और सतत उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यरत रहता है।

इसी क्रम में फेडरेशन आफ आल इंडिया व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी राजेश खुराना ने जिलाधिकारी को पटका पहनाकर उनका स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंट करने के पश्चात बधाई दीं और जिलाधिकारी अरविंद मलप्पा बंगारी ने भविष्य में फेम के सभी सदस्यों के साथ सहयोग का आश्वासन भी दिया।

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में राजेश खुराना (जिलाध्यक्ष), ब्रजेश पंडित (महामंत्री), धर्मवीर कौशिक (संगठन मंत्री), श्रीकृष्ण गोयल, सोनू बघेल, देवेंद्र नलवंशी, नरेंद्र राय, सत्येंद्र राव आदि शामिल रहे।

मैत्री भाव बढ़ा रहा

' विश्व गुरु अपनी साख बना रहा,
वह भारत ही है जो सबको मैत्री का पाठ पढ़ा रहा
सदा रही है जिनकी ख्याति मिटा ना सका कोई,
वह भारत है, जो मैत्री भाव जगत में बढ़ा रहा है।

दुश्मनों का दुश्मन है भारत,
दोस्तों से गहरा दोस्ताना निभा रहा
बढ़ता जा रहा विश्व में भारत,
वह भारत ही है, जो मैत्री भाव जगत में बढ़ा रहा।

युद्ध भूमि में शांतिदूत बन अपने आदमियों को वापिस ला रहा,
यह भारत लोगों के दिलों से नफ़रत मिटा रहा
विश्व शांति मैत्री भाव से 'वसुधैव कुटुम्बकम' के भाव जगा कर नफरत मिटा रहा,
वह भारत है, जो मैत्री भाव जगत में बढ़ा रहा।

लोकतंत्र की धार से वह संविधान की ताकत बढ़ा रहा,
पूरी दुनिया में डंका बजा रहा
विश्व चौधरी देशों को भी अपनी और मिला रहा।
इसी सकारात्मक ऊर्जा से भारत अपनी और सबको मिला रहा,
इसलिए हमारा भारत, मैत्री भाव जगत में बढ़ा रहा॥

स्वतंत्र लेखक
- हरिहर सिंह चौहान
जबरी बाग़
नसिया इन्दौर
मध्यप्रदेश

कंगना के बोल नहीं अनमोल

जीत में पहले ही रोड़े अटक रहे थे,
वोट मांगनेवाले दर-दर भटक रहे थे।
किसानों के समृद्धि में ब्रेक ना लगे,
तीन कृषि कानून तो पीछे लटक थे।
कंगना ने सोचा हम तो गटक रहे थे,
आंदोलन को फिर जिंदा कर दिया।
अपनी पार्टी को ग़फलत में डाल दिया,
कंगना के बोलो कि यह कैसी लीला!
समझो गरीबी में हो गया आटा गीला।
कंगना के बोल अभी नहीं हैं अनमोल,
माफी तो मांग ली अवसर अनेक है।
शाह-मोदी किस-किसको रोक पाएंगे।
खट्टर-सैनी कहाँ तक ताल ठोक पाएंगे?
हुड्डा-राहुल कह रहें हम सब एक हैं,
शैलजा के हाथों में बहुत बड़ा ब्रेक है।
आप ने भी लगाया है दम हुई बम-बम,
कहे केजरी-संजय अपने इरादे नेक हैं!
अब चुनाव के बाद ही गिव एंड टेक है।

संजय एम. तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
31, संजय नगर, इंदौर
(मध्यप्रदेश)
98260-25986

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर शालीमार गार्डन में परिचर्चा का आयोजन

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली : पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर शिक्षक कल्याण फाउंडेशन द्वारा गाजियाबाद के शालीमार गार्डन में एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सांसद अतुल गर्ग उपस्थित रहे । पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्मवाद एवं अंत्योदय के सिद्धांत पर शिक्षक कल्याण फाउंडेशन के संयोजक श्री जगदीश विग ने अपने विचार रखे । उन्होंने बताया कि विकसित भारत के उद्देश्य को पंडित दीनदयाल के सिद्धांतों के द्वारा प्राप्त किया जा सकता है तथा उनका यह सिद्धांत राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परिलक्षित होता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का कार्यान्वयन कहीं न कहीं पंडित दीन दयाल उपाध्याय के विचारों कार्यान्वयन है जिसमें शिक्षक अहम भूमिका निभा रहे हैं। आगे उन्होंने कहा कि शिक्षकों का सशक्तीकरण तथा शिक्षक स्वायत्तता जरूरी है । उन्होंने एकात्मवाद एवं अंत्योदय के सिद्धांत का पालन करने से पहले बच्चों को अपनापन देने की सलाह दी। अंत्योदय के कल्याण में लाखों शिक्षकों का रोजगार छुपा है । इस अवसर पर लगभग 200 समाज सेवकों को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया जिन्होंने समाज के निचले तबके को ऊपर उठाने का कार्य किया है और शिक्षक कल्याण फाउंडेशन द्वारा प्रस्तावित शिक्षक सम्मान का विमोचन भी श्री अतुल गर्ग द्वारा किया गया । यह सम्मान दिसंबर माह के अंतिम सप्ताह में दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित किया जाएगा। संस्था के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री एम के सेठ जी ने सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया और इस कार्यक्रम में पप्पू पहलवान जी ने अपना विशेष सहयोग दिया । इस अवसर पर डॉ. पूनम मणि, सुभाष प्रधान, प्रोफेसर सुनील पांडे प्रोफेसर योगेन्द्र सिंह , श्रीमती प्रीति गोयल आदि उपस्थित रहे तथा अपना विशेष सहयोग दिया ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023